आषाढ़ कृष्ण - 11 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 333 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 02-07-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 विश्व भर के हिंदुओं से माफी मांगे राहुल गांधी : आदित्यनाथ

6 भारत में शारीरिक निष्क्रियता का बढ़ना चिन्ताजनक

7 फिल्म 'जट' से साउथ फिल्म इंडस्ट्री में डेयू करेंगे सनी देओल

फर्स्ट टेक

चीन : 'दुर्घटनावश प्रक्षेपित' शक्तिशाली रॉकेट पहाड़ियों में गिरा

बीजिंग/भाषा। चीन का शक्तिशाली रॉकेट रविवार को संरचनात्मक खामी की वजह से जांच के दौरान 'दुर्घटनावश प्रक्षेपित'हो गया और पहाड़ियों में जा गिरा। रॉकेट के लिए जिम्मेदारी निजी कंपनी ने यह जानकारी दी है। स्पेस पायनियर ने यहां जारी एक बयान में बताया कि तियानलॉन्ग-3 रॉकेट हेनान प्रांत के गोंगयी काउंटी केंद्र पर जमीनी जांच के दौरान अप्रत्याशित रूप से प्रक्षेपित हो गया। स्पेस पायनियर को बीजिंग तियानबिंग टेक्नोलॉजी के नाम से भी जाना जाता है। कंपनी ने बताया कि सौभाग्य से रॉकेट गोंगयी शहर के पहाड़ी इलाके में गिरा और कोई घायल नहीं हुआ क्योंकि रॉकेट परीक्षण के मद्देनजर इलाके को पहले ही खाली करा लिया गया था।

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति ने गठबंधन सरकार की घोषणा की

जोहान्सबर्ग/एजेन्सी। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने अपने नए राष्ट्रीय कार्यकारी मंत्रिमंडल की घोषणा की, जिसमें राष्ट्रीय एकता सरकार (जीएनयू) बनाने वाले विभिन्न राजनीतिक दलों के मंत्री शामिल हैं। रामफोसा ने राष्ट्रपति के दूसरे कार्यकाल शुरू होने के एक सप्ताह से अधिक समय बाद यह घोषणा की, क्योंकि दोबारा चुनाव में उन्हें कम बहुमत प्राप्त हुआ है, इसलिए उनकी पार्टी, अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस को तीन दशकों में पहली बार सत्ता साझा करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। इसके कारण डेमोक्रेटिक अलायंस (डीए), इंकाथा फ्रीडम पार्टी, पैन अफ्रीकनिस्ट कांग्रेस ऑफ अज़ानिया जैसे 10 विपक्षी दलों के साथ जीएनयू का गठन हुआ है।

नाटो महासचिव ने चीन पर लगाया आरोप

टोक्यो/एजेन्सी। नाटो महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने चीन पर द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूरोप में सबसे बड़े सैन्य संघर्ष को भड़काने का आरोप लगाया है। उन्होंने जापानी अखबार योमिउरी को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि रूस चीन से आयातित उन्नत तकनीक की सहायता से मिसाइलों और ड्रोन का उत्पादन कर रहा है, जो बीजिंग को सबसे बड़े संघर्ष को भड़काने के लिए जिम्मेदार बनाता है। महासचिव ने कहा कि चीन पर दबाव बढ़ाने और क्षेत्र को स्थिर करने के लिए जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया तथा न्यूजीलैंड के बीच सहयोग को मजबूत करने की सख्त जरूरत है। स्टोलटेनबर्ग ने कहा कि ताइवान के इर्द-गिर्द संकट की स्थिति में, नाटो उत्तरी अमेरिकी और यूरोपीय गठबंधन की अपनी स्थिति बनाए रखेगा।

02-07-2024 सूर्यास्त 6:39 बजे | 03-07-2024 सूर्योदय 5:46 बजे

BSE	NSE
79,476.19	24,141.95
(+443.46)	(+131.35)

सोना	चांदी
7,438 रु.	94,500 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

फितरत हमारी

कितने ही कानून बना दो,
हम धाराएं तोड़ेंगे।
चाहे भर देंगे जुर्माना,
या ले-दे के छोड़ेंगे।
किनकी जेबें होगी भारी,
किनके बाल झिंझोड़ेंगे।
सिस्टम के नाकारापन पर,
सिर्फ ठीकरा फोड़ेंगे।।

राहुल का दावा: भाजपा नेता 'हिंदू' नहीं

प्रधानमंत्री बोले: हिंदू समाज को हिंसक कहना गंभीर विषय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- भाजपा पर युवाओं, छात्रों, किसानों मजदूरों, दलितों, महिलाओं और अल्पसंख्यकों में डर पैदा करने का राहुल गांधी ने आरोप लगाया।
- कांग्रेस नेता के भाषण के दौरान प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री अमित शाह के अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू, पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान तथा भाजपा के कुछ अन्य नेताओं ने अलग-अलग बिंदुओं को लेकर आपत्ति दर्ज कराई तथा नेता प्रतिपक्ष पर सदन को गुमराह करने एवं गलतबयानी का आरोप लगाया।

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर देश में हिंसा, नफरत तथा डर फैलाने का आरोप लगाया और दावा किया कि ''ये लोग हिंदू नहीं हैं'', जिस पर सत्ता पक्ष के सदस्यों ने जोरदार तरीके से विरोध जताया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि पूरे हिंदू समाज को हिंसक कहना बहुत गंभीर विषय है। राहुल गांधी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाये गए धन्यवाद प्रस्ताव पर विपक्ष की ओर से चर्चा की शुरुआत करते हुए यह भी कहा कि हिंदू कभी हिंसा नहीं कर सकता, कभी नफरत और डर नहीं फैला सकता।

उत्तर प्रदेश के रायबरेली से लोकसभा सदस्य ने भाजपा पर युवाओं, छात्रों, किसानों मजदूरों, दलितों, महिलाओं और अल्पसंख्यकों में डर पैदा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग अल्पसंख्यकों, मुसलमानों, सिखों एवं ईसाइयों को डराते हैं, उन हमला करते हैं और उनके खिलाफ नफरत फैलाते हैं, लेकिन अल्पसंख्यक इस देश के साथ चट्टान की तरह मजबूती से खड़ा रहा है और उन्होंने अलग-अलग क्षेत्रों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है।

कांग्रेस नेता के भाषण के दौरान प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री अमित शाह के अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू, पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान तथा भाजपा के कुछ अन्य नेताओं ने अलग-अलग बिंदुओं को लेकर आपत्ति दर्ज कराई तथा नेता प्रतिपक्ष पर सदन को गुमराह करने एवं गलतबयानी का आरोप लगाया।

शाह ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से कहा कि राहुल गांधी द्वारा की गई बातों का सत्यापन किया जाना चाहिए।

नेता प्रतिपक्ष के रूप में किसी प्रस्ताव पर राहुल गांधी का सदन में यह पहला भाषण था।

सदन में सत्तापक्ष और विपक्ष के सदस्यों के बीच तीखी नोंकझोंक के बीच राहुल गांधी ने कहा, ''ये अहिंसा का देश है, ये डर का देश नहीं है। भगवान शिव कहते हैं- डरो मत, डराओ मत। वे अहिंसा की बात करते हैं। जो अपने आप को हिंदू कहते हैं कि वे 24 घंटे हिंसा की बात करते हैं, नफरत की बात करते हैं। आप (भाजपा) हिंदू हो नहीं।'' उनका कहना था, ''हिंदू धर्म में साफ लिखा है कि सत्य के साथ खड़ा होना चाहिए, सत्य से पीछे नहीं हटना चाहिए, सत्य से नहीं डरना चाहिए। अहिंसा हमारा प्रतीक है।''

इस बीच लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने राहुल से कहा, ''आप नेता प्रतिपक्ष हैं। इसका ध्यान रखें कि किसी की भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचे।''

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''पूरे हिंदू समाज को हिंसक कहना...यह बहुत गंभीर विषय है।''

गृहमंत्री अमित शाह ने कहा, ''नेता विपक्ष ने कहा है कि जो अपने आपको हिंदू कहते हैं वे हिंसा करते हैं। इनको मालूम नहीं है कि करोड़ों लोग अपने आप को गर्व से हिंदू कहते हैं, क्या वे सभी लोग हिंसा करते हैं। उन्हें (राहुल) माफी मांगनी चाहिए।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''आपातकाल में पूरे देश को भयभीत किया गया। आपातकाल के समय वैचारिक आतंक था। दिल्ली में हजारों सिख भाइयों का कत्लेआम उनके (कांग्रेस) शासनकाल में हुआ।''

इस पर राहुल गांधी ने कहा, ''नरेंद्र मोदी पूरा हिंदू समाज नहीं हैं। भाजपा पूरा हिंदू समाज नहीं है। आरएसएस पूरा हिंदू समाज नहीं है। ये ठेका भाजपा का नहीं है।''

सदन में भारी शोर-शराबे के बीच बिरला ने राहुल गांधी से कहा कि उन्हें सदन में अपनी बात रखते समय पूरा ध्यान रखना चाहिए।

भारत एक राष्ट्र और एक समाज है : भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गाजीपुर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने सोमवार को कहा कि ऊपर से कुछ भी दिखता हो लेकिन मातृभूमि भारत के प्रति प्रेम भक्ति सर्वत्र है और विविधताओं के बावजूद भारत एक राष्ट्र और एक समाज है। संघ प्रमुख ने 'परमवीर चक्र' से सम्मानित वीर अब्दुल हमीद की जयंती पर उनके गाजीपुर स्थित गांव धामूपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में उन पर लिखी किताब 'मेरे पापा परमवीर' का विमोचन किया। वर्ष 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के नायक रहे वीर अब्दुल हमीद को पाकिस्तान के पैटन टैंकों को ध्वस्त करने और दुश्मनों को खदेड़ने के लिए जाना जाता है। उन्हें मरणोपरांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था।

पुस्तक विमोचन के बाद अपने संबोधन में उन्होंने कहा, ''अब्दुल हमीद जैसे वीर हमारे लिये अनुकरणीय उदाहरण हैं। उन्होंने देश के लिये बलिदान दिया। जीवन कैसा होना चाहिये, यह हम ग्रंथों में पढ़ सकते हैं, भाषणों में सुन सकते हैं लेकिन ऐसा करने की हिम्मत तभी आती है जब कोई अपने जैसा यह हिम्मत करके दिखाये।''

संघ प्रमुख ने देश की सांस्कृतिक विविधता का जिक्र करते हुए कहा, ''हमारे देश में इतनी सारी भाषाएं हैं, इतना बड़ा देश है, बेहद प्राचीन परम्पराएं हैं। जब हर व्यक्ति के अपने-अपने विचार हैं तो पूजा, परम्परा, सम्प्रदाय तो अनेक होंगे ही।'' उन्होंने कहा, ''खान-पान, रीति-रिवाज भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार बदल जाते हैं। ये सारी विभिन्नताएं (विविधताएं) होने के बावजूद अपना देश हजारों वर्षों से एक राष्ट्र के रूप में चल रहा है और हम एक राष्ट्र तथा एक समाज हैं।''

केजरीवाल ने सीबीआई की गिरफ्तारी को दिल्ली उच्च न्यायालय में दी चुनौती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। आबकारी नीति 2021-22 (जो विवाद के बाद रद्द कर दी गई) कथित घोटाला मामले के आरोपी दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से दी गई गिरफ्तारी और विशेष अदालत के केंद्रीय जांच एजेंसी को उन्हें हिरासत में देने के आदेश के साथ ही गिरफ्तारी को उचित बताते की टिप्पणी के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मुकदमे में मार्च से न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल बंद आरोपी केजरीवाल को 26 जून को औपचारिक तौर पर सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। विशेष अदालत ने उसी दिन सीबीआई की गुहार पर उन्हें इस केंद्रीय जांच एजेंसी की तीन दिनों की हिरासत में भेज दिया था। हिरासत अवधि समाप्त होने के बाद विशेष अदालत ने सीबीआई के अनुरोध पर शनिवार 29 जून को उन्हें 12 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

कविता की जमानत याचिकाएं खारिज

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार और धनशोधन के दो मामलों में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के. कविता की जमानत याचिकाएं सोमवार को खारिज कर दीं। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने कविता की याचिकाओं को खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति शर्मा ने 28 मई को कविता की दो जमानत याचिकाओं पर आदेश सुरक्षित रख लिया था। विस्तृत आदेश की प्रतीक्षा है। कविता ने निचली अदालत के छह मई के आदेश को चुनौती दी थी।

कर्नाटक में ई-कॉमर्स से जुड़े अस्थायी श्रमिकों के लिए मसौदा विधेयक जारी

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक सरकार ने मंच आधारित गिग श्रमिक (सामाजिक सुरक्षा और कल्याण) विधेयक, 2024 का मसौदा जारी किया है। इसका मकसद बोर्ड, कल्याण कोष और शिकायत प्रकोष्ठ के गठन सहित अन्य तंत्रों के जरिए राज्य में उनके अधिकारों की रक्षा करना है। राज्य श्रम विभाग के अनुसार प्रस्तावित विधेयक का उद्देश्य मंच आधारित गिग यानी अस्थायी तौर पर काम करने वाले श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करना, सामाजिक सुरक्षा, व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा, स्वचालित निगरानी और निर्णय लेने की प्रणालियों में पारदर्शिता लाने के लिए 'एग्रीगेटर्स' को जवाबदेह बनाना और विवाद समाधान तंत्र का गठन करना है। प्रस्तावित कल्याण बोर्ड में कर्नाटक के श्रम मंत्री, एग्रीगेटर्स के दो अधिकारी, दो गिग श्रमिक और राज्य सरकार द्वारा नामित एक नागरिक समाज के सदस्य सहित सरकारी अधिकारी शामिल होंगे। राज्य के श्रम मंत्री संतोष लाड ने पीटीआई-भाषा से कहा कि सरकार ने फ्लिपकार्ट, अमेजन, जोमैटो और स्विगी सहित कई हितधारकों के साथ चर्चा की है। मंत्री ने कहा कि विधेयक अगले विधानसभा सत्र में पेश किया जाएगा।

नए कानून के तहत प्राथमिकी दर्ज होने पर तीन साल के भीतर न्याय मिलेगा : शाह

- भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) 2023 सोमवार से पूरे देश में प्रभावी हो गए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि नये आपराधिक कानूनों के तहत प्राथमिकी दर्ज होने के तीन साल के भीतर सभी मामलों में उच्चतम न्यायालय के स्तर तक न्याय मिलेगा। शाह ने नये आपराधिक कानूनों के लागू होने के बाद एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उम्मीद जतायी कि भविष्य में अपराधों में कमी आएगी और नये कानूनों के तहत 90 प्रतिशत मामलों में दोषसिद्धि होने की संभावना है।

भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) 2023 सोमवार से पूरे देश में प्रभावी हो गए। इन तीनों कानून ने ब्रिटिश कालीन कानूनों क्रमश: भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और 'इंडियन एविडेंस एक्ट' की जगह ली है। उन्होंने कहा, ''उच्चतम न्यायालय के स्तर तक न्याय प्राथमिकी दर्ज होने के तीन साल के भीतर मिल सकता है।''

गृहमंत्री शाह ने कहा कि तीनों आपराधिक कानूनों के लागू होने से भारत में दुनिया में सबसे आधुनिक आपराधिक न्याय प्रणाली होगी। उन्होंने कहा, ''नये कानून, आधुनिक न्याय प्रणाली को स्थापित करते हैं जिनमें 'जीरो एफआईआर', पुलिस शिकायतों का ऑनलाइन पंजीकरण, एसएमएस जैसे इलेक्ट्रॉनिक तरीकों से समन और सभी जघन्य अपराधों के लिए अपराध स्थलों की अनिवार्य वीडियोग्राफी जैसे प्रावधान शामिल हैं।'' शाह ने बताया कि नये कानून के तहत पहला मामला ग्वालियर में रविवार रात 12 बजकर 10 मिनट पर मोटरसाइकिल चोरी का दर्ज किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस ने मध्य दिल्ली के कमला मार्केट में सार्वजनिक मार्ग को कथित रूप से बाधित करने वाले एक ठेले से पानी और तंबाकू उत्पाद बेचने वाले एक रेहड़ी-पटरी वाले के खिलाफ दर्ज मामला जांच के बाद खारिज कर दिया है।

दंडात्मक कार्रवाई को प्राथमिकता देने वाले औपनिवेशिक युग के कानूनों के विपरीत नये कानून न्याय प्रदान करने को प्राथमिकता देंगे और ई-प्राथमिकी, जीरो एफआईआर और इलेक्ट्रॉनिक या डिजिटल साक्ष्य को मान्यता देकर अपराधों की जानकारी देने को और भी आसान बना दिया गया है।

गृहमंत्री ने कहा कि न्यायिक प्रक्रिया अब समयबद्ध होगी और नये कानून न्यायिक प्रणाली के लिए समय सीमा निर्धारित करते हैं, जिससे लंबे समय तक विलंब खत्म हो जाएगा। उन्होंने कहा कि नये कानूनों को बच्चों और महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर एक अध्याय जोड़कर अधिक संवेदनशील बनाया गया है और ऐसे मामलों में जांच रिपोर्ट सात दिनों के भीतर दाखिल की जानी है।

एनआईए ने इंजीनियर राशिद को सांसद के तौर पर शपथ लेने के लिए सहमति दी

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने जेल में बंद कश्मीरी नेता शेख अब्दुल रशीद उर्फ इंजीनियर रशीद को पांच जुलाई को सांसद के तौर पर शपथ लेने के लिए सोमवार को एक विशेष अदालत के समक्ष अपनी सहमति दे दी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश चंदर जीत सिंह इस पर मंगलवार को आदेश पारित करेंगे। एनआईए के वकील ने कहा कि रशीद को कुछ शर्तों के साथ शपथ लेने की मंजूरी दी जानी चाहिए जैसे कि वह मीडिया से बात न करें। उन्होंने यह भी कहा कि रशीद को सभी औपचारिकताएं एक दिन के भीतर पूरी करनी होंगी। रशीद अभी तिहाड़ जेल में हैं।

मानहानि मामलें में मेधा पाटकर को पांच महीने जेल की सजा

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर को 23 साल पुराने मानहानि के एक मामले में पांच महीने के साधारण कारावास की सोमवार को सजा सुनायी। यह मामला दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने उनके खिलाफ उस वक्त दायर किया था जब वह (सक्सेना) गुजरात में एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) के प्रमुख थे। मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट राघव शर्मा ने पाटकर पर 10 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। अदालत ने पाटकर को यह सजा अपने समक्ष मौजूद सबूतों और इस तथ्य पर विचार करने के बाद सुनायी कि मामला दो दशक से अधिक समय तक चला। हालांकि, अदालत ने पाटकर को आदेश के खिलाफ अपील दायर करने का मौका देने को लेकर सजा को एक महीने के लिए निलंबित कर दिया।

जुलाई में भारत में सामान्य से अधिक बारिश हो सकती है : आईएमडी

नई दिल्ली/भाषा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सोमवार को कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र के कुछ हिस्सों को छोड़कर देश में जुलाई में सामान्य से अधिक बारिश हो सकती है। आईएमडी प्रमुख मृत्युंजय महापात्र ने डिजिटल तरीके से आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पूरे देश में जुलाई की औसत बारिश सामान्य से अधिक होने की संभावना है जो लंबी अवधि के औसत (एलपीए) 28.04 सेमी से 106 प्रतिशत अधिक रह सकती है। उन्होंने कहा, ''पूर्वोत्तर भारत के कई हिस्सों और उत्तर-पश्चिम, पूर्व और दक्षिण-पूर्वी प्रायद्वीपीय भारत के कुछ हिस्सों को छोड़कर देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है।'' आईएमडी ने कहा कि पश्चिमी तट को छोड़कर उत्तर-पश्चिम भारत और दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे रहने की संभावना है।

भारतीय सेना सभी चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार व पूरी तरह सक्षम है : जनरल द्विवेदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ जारी सीमा विवाद के बीच सोमवार को कहा कि भारतीय सेना देश के समक्ष सभी मौजूदा और भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए तैयार व पूरी तरह सक्षम है।

देश के 13 लाख सैनिकों वाले मजबूत बल की कमान संभालने के एक दिन बाद उन्होंने कहा कि थल सेना, वायु सेना और नौसेना के बीच तालमेल सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकताओं में से एक होगा।

रायसीना हिल्स के साउथ ब्लॉक में सलामी गारद का निरीक्षण करने के बाद मीडिया से बातचीत में नव नियुक्त सेना प्रमुख ने कहा कि सेना ''अनूठी अभियानगत चुनौतियों'' का सामना कर रही है और ऐसे खतरों के लिए तैयार रहने के वास्ते यह महत्वपूर्ण है कि सैनिकों को आधुनिक हथियार मुहैया कराए जाएं। उन्होंने कहा, ''मुझे सौंपी गयी जिम्मेदारियों के प्रति, मैं पूरी तरह सजग हूं और मैं देश तथा सभी नागरिकों को आश्वस्त करता हूं कि भारतीय सेना सभी मौजूदा व भविष्य की चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए तैयार व पूरी तरह सक्षम है।'' उन्होंने यह भी कहा कि वह रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए सेना में स्वदेश निर्मित सैन्य उपकरणों को शामिल करने को प्रोत्साहित करेंगे।

वास्तविक कल्याण लोगों के जीवन को रोशन कर रहा है : आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने पेंशन वितरण कार्यक्रम को लोगों का जीवन स्तर सुधारने की दिशा में एक कदम बताते हुए सोमवार को कहा कि असली कल्याण लोगों के जीवन को रोशन कर रहा है। मुख्यमंत्री ने यह बात गुंटूर जिले के पेनुमका गांव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की नई सरकार के पहले कल्याणकारी पेंशन वितरण कार्यक्रम में भाग लेने के बाद एक कार्यक्रम में कही।

नायडू ने पेनुमका मस्जिद परिसर में लोगों को संबोधित करते हुए कहा, यह लोगों के जीवन स्तर को सुधारने की दिशा में पहला कदम है। मुख्यमंत्री ने व्यक्तिगत रूप से इसलावथ साई, बनवथ पमुल्यनायक और बनवथ सीता को उनकी झोपड़ी में पेंशन की राशि सौंपी। नायडू ने यह याद दिलाया कि उन्होंने सभी लोगों के आशीर्वाद से चौथी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। उन्होंने कहा कि नई सरकार ने लोगों से किए गए वादों को पूरा करने की दिशा में पहले कदम के रूप में पेंशन वितरण योजना शुरू की है। गरीबों पर ध्यान केंद्रित करने का वादा करते हुए नायडू ने कहा कि उनका सपना आर्थिक असंतुलन को दूर कर गरीबी मुक्त समाज देखना है। उन्होंने कहा कि सभी आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगाने की तत्काल आवश्यकता है। तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) नीत सरकार ने पेंशन योजना की राशि को बढ़ाकर 4,000 रुपये प्रति माह कर दिया है जो पूर्ववर्ती युवजन श्रमिक रायतु कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) सरकार के दौरान 3,000 रुपये प्रति माह थी। इसका नाम भी बदलकर 'एनटीआर भरोसा सामाजिक पेंशन' कर दिया गया है। राज्य की राजग सरकार में भाजपा और जनसेना घटक दल हैं। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों को कैम्पस क्षेत्र विकास प्राधिकरण (सीआरडीए) के अधिकारियों के साथ मिलकर पेनुमका क्षेत्र में पात्र व्यक्तियों के लिए घर बनाने का निर्देश दिया। राज्य सरकार ने पात्र लाभार्थियों को 7,000 रुपये पेंशन वितरित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिसमें अप्रैल, मई और जून के लिए, बढ़ी हुई राशि के 1,000-1,000 रुपये और जुलाई की 4,000 रुपये की पेंशन शामिल है।

भाजपा ने पंकजा मुंडे, चार अन्य को महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव में उम्मीदवार बनाया

मुंबई/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महाराष्ट्र इकाई ने आगामी राज्य विधान परिषद चुनाव के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) नेता एवं पूर्व मंत्री पंकजा मुंडे और चार अन्य की उम्मीदवारी की सोमवार को घोषणा की। राज्य विधानमंडल के ऊपरी सदन की 11 सीट के लिए द्विवार्षिक चुनाव 12 जुलाई को होंगे। भाजपा ने एक विज्ञप्ति में मुंडे, पूर्व विधायक योगेश तिलेकर, परिणय फुके, अमित गोरखे और सदाभाऊ खोत को अपना उम्मीदवार बनाया है।

भाजपा की राष्ट्रीय महासचिव मुंडे 2019 में राज्य विधानसभा चुनाव हार गई थीं और हाल में हुए लोस चुनाव में बीड से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के बजरंग सोनवणे से हार गई थीं। अन्य उम्मीदवारों में, तिलेकर पुणे से हैं, खोत सांगली से हैं और गोरखे पिंपरी चिंचवड से भाजपा के पदाधिकारी हैं और मातंग समुदाय से आते हैं, जो राज्य के पिछड़े वर्गों में से एक है। फुके नागपुर से हैं और भाजपा नेता एवं उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के करीबी माने जाते हैं। विधानसभा सदस्यों (विधायकों) द्वारा चुने गए 11 एमएलसी का छह साल का कार्यकाल 27 जुलाई को पूरा होने वाला है।

लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने सेना के उप प्रमुख के तौर पर पदभार ग्रहण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लेफ्टिनेंट जनरल एन एस राजा सुब्रमणि ने सोमवार को सेना के नए उप प्रमुख के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया। इसके पहले वह सेना के मध्य कमान का नेतृत्व कर रहे थे। सुब्रमणि ने इस पद पर जनरल उपेंद्र द्विवेदी की जगह ली है। जनरल द्विवेदी ने रविवार को सेना प्रमुख का पदभार ग्रहण किया था।

सेना ने कहा कि लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रमणि को पश्चिमी और उत्तरी, दोनों सीमाओं पर सैन्य अभियान गतिशीलता की गहरी समझ और ज्ञान है। लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रमणि वर्ष 1985 में गढ़वाल राइफल्स में शामिल हुए थे। उनका 37 साल से अधिक का सैन्य करिअर असाधारण और शानदार रहा है। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी और भारतीय सैन्य अकादमी के पूर्व छात्र लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रमणि ने संयुक्त सेवा कमांड स्टाफ कॉलेज, ब्रैकनेल (ब्रिटेन) और नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज से भी पढ़ाई की है। उनके पास लंदन स्थित 'किंग्स कॉलेज' से कला में परास्नातक (एमए) की डिग्री और मद्रास विवि से रक्षा अध्ययन में एम फिल की डिग्री है। लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रमणि को असम में 'ऑपरेशन राइनो' के दौरान एक बटालियन, पाकिस्तान के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एक पैदल सेना ब्रिगेड और पूर्वोत्तर भारत में एक 'ब्लैक कैट' डिवीजन की कमान संभालने का गौरव प्राप्त है।

आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा देने के मुद्दे पर चुप क्यों हैं चंद्रबाबू नायडू : शर्मिला

अमरावती (आंध्र प्रदेश)/भाषा। कांग्रेस की आंध्र प्रदेश इकाई की अध्यक्ष वाई.एस. शर्मिला ने सोमवार को सवाल किया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के 'किंगमेकर' एवं मुख्यमंत्री एन.चंद्रबाबू नायडू राज्य को विशेष दर्जा दिलाने के मुद्दे पर चुप्पी क्यों साधे हुए हैं। शर्मिला ने कहा कि तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) सुप्रीमो विशेष राज्य के दर्जे के मुद्दे पर चुप्पी साधने के कारणों का जवाब जनता को दें।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ''नीतीश कुमार प्रतिबद्ध हैं और उन्होंने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग मोदी (प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी) के समक्ष रखी है जबकि नायडू आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा देने के मुद्दे पर मुंह तक नहीं खोल रहे हैं।'' शर्मिला ने याद दिलाया कि नायडू केंद्र की राजग सरकार के 'किंगमेकर' हैं। उन्होंने कहा क्या उन्हें ''नहीं पता'' कि बिना राजधानी वाला आंध्र प्रदेश '' बिहार से अधिक पिछड़ा'' है। कांग्रेस नेता ने कहा, ''आपको वे दिन याद नहीं जब आप 15 साल के लिए विशेष राज्य का दर्जा मांग रहे थे और आपने (नायडू ने) खुद कहा था कि राज्य 20 साल पिछड़ गया है।'' उन्होंने आश्चर्य व्यक्त किया कि मुख्यमंत्री क्यों नहीं दक्षिणी राज्य को विशेष दर्जा नहीं मिलने की स्थिति केंद्र से समर्थन वापस लेने की 'धमकी' दे रहे हैं। कांग्रेस की आंध्र प्रदेश इकाई की अध्यक्ष ने नायडू को सलाह दी कि वह विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर विधानसभा में प्रस्ताव पारित कराएं और उस मांग को केंद्र के समक्ष रखें। शर्मिला ने कहा कि आंध्र प्रदेश के विकास के लिए विशेष राज्य का दर्जा ही एकमात्र रास्ता है न कि विशेष पैकेज।

मध्यप्रदेश के बजट में सभी योजनाएं जारी रहेंगी : उप मुख्यमंत्री देवड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने सोमवार को कहा कि आगामी समावेशी बजट में मौजूदा योजनाओं को जारी रखा जाएगा। बजट सत्र के पहले दिन राज्य विधानसभा परिसर में संवाददाताओं से देवड़ा ने कहा, ''बजट तीन जुलाई को पेश किया जाएगा। हमारा ध्यान पूंजीगत व्यय पर रहेगा। सभी योजनाएं पहले की तरह जारी रहेंगी।''

इस साल फरवरी में लोकसभा चुनाव से पहले देवड़ा ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अंतरिम बजट पेश किया था। अब, वह उसी वित्तीय वर्ष के लिए राजकोषीय बजट पेश करेंगे। अधिकारियों ने कहा कि सत्र में 14 बैठकें होंगी, जो सोमवार से शुरू होकर 19 जुलाई को समाप्त होंगी।

कांग्रेस की ओर से सत्र के दौरान कई मुद्दे उठाए जाने की उम्मीद है जिनमें कथित नर्सिंग कॉलेज घोटाले और फसल पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को लेकर पिछले विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा किए गए वादे भी शामिल होंगे।

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) कई नर्सिंग कॉलेजों के संचालन में भारी अनियमितताओं से संबंधित कथित नर्सिंग कॉलेज घोटाले की जांच कर रहा है। आरोप है कि कई कॉलेजों में बुनियादी ढांचे का अभाव है तो कुछ केवल कागजों पर ही संचालित किए जा रहे है।

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने रविवार को मांग की कि लोकसभा की तर्ज पर विधानसभा की कार्यवाही का भी सीधा प्रसारण किया जाए ताकि जनता अपने प्रतिनिधियों

दो हजार के 97.87% नोट वापस आए, 7,581 करोड़ रुपये मूल्य के नोट अब भी लोगों के पास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सोमवार को कहा कि दो हजार रुपये के 97.87 प्रतिशत नोट बैंकों में वापस आ गए हैं। चलन से हटाए गए 7,581 करोड़ रुपये मूल्य के नोट अब भी लोगों के पास हैं।

आरबीआई ने 19 मई 2023 को 2000 रुपये मूल्य के बैंक नोट को चलन से वापस लेने की घोषणा की थी। चलन में 2000 रुपये मूल्य के बैंक नोट का कुल मूल्य 19 मई 2023 को कारोबार की समाप्ति पर 3.56 लाख करोड़ रुपये था। यह 28 जून 2024 को कारोबार की समाप्ति पर घटकर 7,581 करोड़ रुपये रह गया।

केंद्रीय बैंक ने बयान में कहा, ''इस प्रकार 28 जून 2024 तक 2000 रुपये के 97.87 प्रतिशत बैंक नोट बैंकों में वापस आ गए हैं।'' सात अक्टूबर 2023 तक 2000 रुपये के बैंक नोट को जमा करने और/या बदलने की सुविधा देश की सभी बैंक शाखाओं में उपलब्ध थी। 19 मई 2023 से 2000 रुपये के बैंक नोट को बदलने की सुविधा रिजर्व बैंक के 19 निर्गम कार्यालयों में उपलब्ध रही। आरबीआई के निर्गम कार्यालय नौ अक्टूबर 2023 से लोगों और संस्थाओं से उनके बैंक खातों में जमा करने के लिए भी 2000 रुपये के नोट स्वीकार कर रहे हैं। इसके अलावा, लोग अपने बैंक खातों में जमा करने के लिए देश के किसी भी डाकघर से आरबीआई के किसी भी निर्गम कार्यालय में 2000 रुपये के बैंक नोट भेज रहे हैं। बैंक नोट को जमा/बदलने वाले आरबीआई के 19 कार्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, बेलापुर, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चेन्नई, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, कानपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, नई दिल्ली, पटना और तिरुवनंतपुरम में हैं।

राहुल को अपने बयान के सत्यापन का निर्देश देने की अमित शाह की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को लोकसभाध्यक्ष ओम बिरला से मांग की कि वह न्यूनतम समर्थन मूल्य पर किसानों से अनाज नहीं खरीदे जाने और सेना के शहीद अग्निवीरों के परिजनों को मुआवजा न दिये जाने के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के दावे को सत्यापित करने का निर्देश दें। शाह की मांग पर बिरला ने हामी भरी है।

लोकसभा में सोमवार को राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष गांधी ने सरकार पर चारों तरफ डर का माहौल पैदा करने का आरोप लगाते हुए अग्निवीरों के शहीद होने की स्थिति में उनके परिजनों को मुआवजा नहीं दिये जाने का दावा किया। उन्होंने अपने दावे की पुष्टि के लिए किसी शहीद के परिवार से हुई बातचीत का हवाला दिया। हालांकि उन्होंने संबंधित शहीद का नाम नहीं बताया। इस पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हस्तक्षेप करते हुए स्पष्टीकरण दिया और कहा कि नेता प्रतिपक्ष गलतबयानी करके सदन को गुमराह कर रहे हैं। सिंह ने कहा कि किसी भी अग्निवीर के शहीद होने की स्थिति में उसके परिवार को एक करोड़ रुपये दिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि गांधी को या तो इस दावे को सत्यापित करना चाहिए या फिर इस गलतबयानी के लिए माफी मांगनी चाहिए। इसी बीच गांधी ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर किसानों से अनाज नहीं खरीदे जाने का आरोप लगाते हुए सरकार पर निशाना साधा, जिस पर कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने हस्तक्षेप किया। जब गांधी ने अपना संबोधन समाप्त किया तो, शाह ने निर्देश पुस्तिका दिखाते हुए कहा कि कोई भी मंत्री या सदस्य भाषण देते समय तथ्यात्मक चीजें रखते हैं और कोई सदस्य उसे चुनौती देते हैं तो आसन इसे सत्यापित करने का निर्देश दे सकता है। उन्होंने इसके लिए नियम पुस्तिका की नियम संख्या 115(एक) से 115(चार) तक का हवाला देते हुए कहा कि नेता प्रतिपक्ष ने कई ऐसे तथ्य रखे जो सत्य नहीं हैं। उन्होंने कहा, ''सत्ता पक्ष ने उन बयानों पर आपत्ति जताई है।

जम्मू-कश्मीर में विस्थापित कश्मीरी पंडितों के लिए जनता दरबार आयोजित किया जाए : भाजपा

जम्मू/भाषा। भारतीय जनता पार्टी की जम्मू-कश्मीर इकाई ने सोमवार को मांग की कि उपराज्यपाल प्रशासन को विस्थापित कश्मीरी पंडित समुदाय के लिए जनता दरबार आयोजित करना चाहिए ताकि उनकी शिकायतों और मुद्दों का समाधान किया जा सके। उपराज्यपाल प्रशासन ने जम्मू-कश्मीर के सभी बीस जिलों में 28 दिवसीय जनता दरबार का कैलेंडर जारी किया है, जिसका संचालन प्रशासनिक सचिवों सहित वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा तीन जुलाई से शुरू होगा।

सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश में कहा गया, उपायुक्त इन दरबारों के आयोजन की देखरेख करेंगे और अपने-अपने जिलों में पहले से ही इनका व्यापक प्रचार सुनिश्चित करेंगे। पूर्व विधायक और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रवक्ता जी.एल. रैना ने मांग की कि विस्थापित समुदाय के लिए शिविरों में जनता दरबार आयोजित किए जाने चाहिए, क्योंकि उन्हें किसी विशेष जिले से संबंधित न होने की दोहरी चुनौती का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि 70,000 से अधिक विस्थापित कश्मीरी पंडित जम्मू जिले में पांच प्रवासी शिविरों और अन्यत्र भी रह रहे हैं।

राहुल कभी हिंदुओं का अपमान नहीं कर सकते, उन्होंने भाजपा के बारे में बोला है : प्रियंका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका वाद्रा ने सोमवार को कहा कि उनके भाई और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी कभी हिंदुओं का अपमान नहीं कर सकते और उन्होंने सदन में भारतीय जनता पार्टी एवं उसके नेताओं के बारे में बोला है।

प्रियंका सोमवार को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर राहुल गांधी के भाषण को सुनने संसद भवन पहुंची थीं। नेता प्रतिपक्ष के तौर पर राहुल गांधी ने सदन में पहली बार किसी प्रस्ताव पर अपनी बात रखी। राहुल गांधी ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर देश में हिंसा, नफरत तथा डर फैलाने का आरोप लगाया और दावा किया कि ''ये लोग हिंदू नहीं हैं क्योंकि 24 घंटे हिंसा की बात करते हैं।'' उन्होंने राष्ट्रपति के

अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए यह भी कहा कि हिंदू कभी हिंसा नहीं कर सकता, कभी नफरत और डर नहीं फैला सकता। राहुल गांधी ने जब भाजपा पर यह आरोप लगाया तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने आपत्ति जताते हुए कहा कि कांग्रेस नेता ने पूरे हिंदू समाज को हिंसक कहा है।

इस बारे में पूछे जाने पर प्रियंका गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, '' मेरे भाई कभी हिंदुओं का अपमान नहीं कर सकते। उन्होंने बहुत स्पष्ट बोला है। उन्होंने भाजपा और भाजपा के नेताओं के बारे में बात की है।''

जीएसटी से घरेलू सामानों पर कर की दरें घटीं, लोगों को मिली राहत: वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि माल और सेवा कर (जीएसटी) आने से घरेलू उत्पादों और मोबाइल फोन के लिए कर की दरें कम हुई हैं और इससे हर घर को राहत मिली है।

नई अप्रत्यक्ष कर प्रणाली के तौर पर जीएसटी ने सोमवार को अपने सात साल पूरे किए हैं। जीएसटी में लगभग 17 स्थानीय कर एवं उपकर शामिल किए गए और इसे एक जुलाई, 2017 को लागू किया गया था। सातवें जीएसटी दिवस का विषय 'सशक्त व्यापार, समग्र विकास' है।

मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''जीएसटी लागू होने के बाद घरेलू सामानों पर कर की दरें कम होने से घरेलू उपकरणों और मोबाइल फोन पर कम जीएसटी के माध्यम से हर घर को खुशी और राहत मिली है।'' जीएसटी करदाताओं का आधार अप्रैल 2018 तक 1.05 करोड़ था जो बढ़कर अप्रैल 2024 में 1.46 करोड़ हो गया है।

रिजर्व बैंक ने अर्नब कुमार चौधरी को नया कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक ने अर्नब कुमार चौधरी को कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति बुधवार से प्रभाव में आएगी। चौधरी डीआईसीजीसी सहित तीन विभागों को देखेंगे। कार्यकारी निदेशक के रूप में पदोन्नत होने से पहले, चौधरी पर्यवेक्षण विभाग में मुख्य महाप्रबंधक-प्रभारी के रूप में कार्यरत थे। रिजर्व बैंक ने बयान में कहा कि कार्यकारी निदेशक के रूप में, वह जमा बीमा और ऋण गारंटी निगम (डीआईसीजीसी), विदेशी मुद्रा विभाग और अंतर्राष्ट्रीय विभाग को देखेंगे। चौधरी एक चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं और उनके पास अर्थशास्त्र में मास्टर डिग्री है। वह आईआईबीएफ के प्रमाणित सहयोगी भी हैं। उन्हें भारतीय रिजर्व बैंक में तीन दशकों से अधिक का अनुभव है। उन्होंने वित्तीय संस्थाओं के पर्यवेक्षण के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर काम किया है। चौधरी ने कॉर्पोरेट रणनीति, बजट, लेखा और निर्गम विभाग के क्षेत्र में काम किया है। उन्होंने कई समितियों और कार्य समूहों के सदस्य के रूप में भी काम किया है और नीति निर्माण में योगदान दिया है।

नए आपराधिक कानूनों ने पुराने व जटिल ब्रिटिश युग के कानूनों का स्थान लिया है : धामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार से देश में लागू नए आपराधिक अधिनियमों का स्वागत करते हुए कहा कि इन नए कानूनों ने पुराने और जटिल ब्रिटिश युग के कानूनों का स्थान लिया है। मुख्यमंत्री ने यहां कहा कि राज्य सरकार जनता को न्याय दिलाने एवं उनके अधिकारों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, नए कानूनों को लागू करने के लिए राज्य सरकार ने पृथक से 20 करोड़ रुपये

की धनराशि का प्रावधान किया है। आगे भी इन कानूनों के क्रियान्वयन के लिए आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। धामी ने कहा कि तीनों कानूनों को उत्तराखंड पुलिस पूरी प्रतिबद्धता के साथ लागू करेगी।

देश में आज से तीन नए आपराधिक कानून - भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 लागू हो गए हैं। उन्होंने आज के दिन को भारतीय न्याय व्यवस्था के लिए 'ऐतिहासिक दिन' बताते हुए कहा कि विभिन्न पुराने और गैर जरूरी कानूनों को हटाकर वर्तमान परिस्थिति के हिसाब से नए आपराधिक कानून लागू हुए हैं जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में न्याय की अवधारणा को मजबूत करेंगे और न्याय मिलने की प्रक्रिया को सरल और सुलभ बनाने में पुलिस और न्यायालयों की मदद करेंगे। धामी ने कहा कि ये कानून गुलामी की मानसिकता को मिटाने और औपनिवेशिक कानूनों से मुक्ति दिलाने की मोदी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा, अब हमारी न्याय प्रणाली पूरी तरह से स्वदेशी होगी जो भारत द्वारा, भारत के लिए और भारतीय संसद द्वारा बनाए गए कानूनों के अनुसार संचालित होगी। हालांकि कांग्रेस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि नए कानून जल्दबाजी में लागू किए गए हैं और इन्हें लागू करने से पहले इन पर चर्चा होनी चाहिए थी। उन्होंने कहा, सरकार हर चीज पर अपनी मुहर लगाने की जल्दबाजी में है।

तीन नए अपराध कानूनों से देश में पुलिस राज आएगा, इनकी समीक्षा हो : मनीष तिवारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने दावा किया कि एक जुलाई से लागू तीन नए अपराध कानून देश में पुलिस राज लाएंगे और इन पर संसद में तथा संयुक्त संसदीय समिति में फिर से विचार होना चाहिए। राष्ट्रपति अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए तिवारी ने कहा कि एक जुलाई से भारतीय न्याय संहिता समेत तीन नए अपराध कानून लागू हो गए हैं। फौजदारी के कानून की इस प्रक्रिया से देश में पुलिस राज आ जाएगा।

तिवारी ने कहा, ''कानून की दो समांतर प्रक्रियाएं बना दी गई हैं। 30 जून से पहले दर्ज मामलों में पुराने कानूनों के तहत फैसला

होगा। एक जुलाई से दर्ज मामलों में नए कानून के तहत फैसला होगा। भारत की न्यायपालिका में 3.4 करोड़ मामले लंबित हैं और अधिकतर आपराधिक मामले हैं। नई प्रक्रिया से न्यायपालिका में संशय की स्थिति पैदा होने वाली है।'' भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) 2023 सोमवार से पूरे देश में प्रभावी हो गए। इन तीनों कानून ने ब्रिटिश कालीन कानूनों क्रमश: भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह ली है। तिवारी ने कहा कि ये तीनों कानून उस समय पारित किए गए जब संसद के दोनों सदनों से 146 सदस्यों को निलंबित किया गया था। उन्होंने कहा, ''ये कानून इस सदन की, राज्यसभा की सामूहिक सहमति को प्रदर्शित नहीं करते और इनमें कई खामियां हैं। इन तीनों कानूनों की फिर से समीक्षा हो, इन्हें संयुक्त संसदीय समिति को भेजा जाए और फिर सदन में लाया जाए'' उन्होंने दावा किया कि नए कानूनों के माध्यम से नागरिक स्वतंत्रता पर हमला होगा, हथकड़ियां वापस आ जाएंगी और पिछले दरवाजे से राजद्रोह कानून को वापस लाया गया है।

'नीट' को बेनकाब करने वाला पहला राज्य तमिलनाडु, परीक्षा है सिर्फ 'धोखाधड़ी' : द्रमुक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने सोमवार को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) को एक 'उद्योग' करार दिया और आरोप लगाया कि इसे कोचिंग सेंटरों के 'कल्याण' के लिए बनाया गया और इन्होंने 'कई करोड़ों' रुपये कमाया है। द्रमुक ने कहा कि तमिलनाडु इससे पर्दा हटाने वाला पहला राज्य है और राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी पार्टियां इस परीक्षा के लिए खिलाफ अपनी आवाज उठा रही हैं। द्रमुक के तमिल मुखपत्र 'मुरासोली' में नीट-स्नातक में अनियमितताओं के संबंध में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा छापेमारी और कई लोगों की गिरफ्तारी किए जाने की ओर इशारा करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सहयोगी जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने खुद अनियमितताओं को लेकर प्रस्ताव पारित किया है।

मुखपत्र में कहा गया,''भारत के प्रमुख दलों ने नीट के खिलाफ अपनी आवाज उठाई है।'' द्रमुक नीट अनियमितताओं को लेकर संसद के दोनों सदनों में बहस के पक्ष में है और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि इस मुद्दे पर विचार-विमर्श किया जाना चाहिए। तमिल दैनिक समाचार पत्र के एक जुलाई 2024 के अंक में प्रकाशित संपादकीय में कहा गया, ''तमिलनाडु ऐसा पहला राज्य है जिसने कहा कि नीट धोखाधड़ी है। अब पूरा देश इसका समर्थन कर रहा है। नीट एक उद्योग है, जिसे कोचिंग सेंटरों के कल्याण के लिए शुरू किया गया और इस उद्योग ने करोड़ों रुपये कमाये हैं। तमिलनाडु ऐसा कहने वाला पहला राज्य है। आज, जालसाजों को गिरफ्तार किया जा रहा है।''

तमिलनाडु विधानसभा में 28 जून 2024 को एक प्रस्ताव पारित कर राज्य को नीट के दायरे से अलग करने और चिकित्सा प्रवेश परीक्षा को खत्म करने के संदर्भ में द्रमुक दैनिक समाचार पत्र ने कहा, ''अब पूरा भारत जान चुका है की नीट सिर्फ धोखाधड़ी है।'' द्रमुक ने बार-बार कहा है कि चिकित्सा पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए नीट सामाजिक न्याय, गरीब, ग्रामीण विद्यार्थियों के हितों के खिलाफ है और केवल कोचिंग सेंटरों को फायदा पहुंचाने के लिए है। मुख्य विपक्षी दल अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) और राज्य की अधिकांश पार्टियां नीट के विरोध में हैं।

मतगणना के बाद शेयरों में भारी गिरावट आर्थिक घोटाला: द्रमुक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। राज्यसभा में सोमवार को द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेताओं के बयानों के विपरीत मतगणना के बाद शेयर बाजार में भारी गिरावट एक बड़ा आर्थिक घोटाला है और इसकी संयुक्त संसदीय समिति से जांच करायी जानी चाहिए।

द्रमुक नेता तिरुची शिवा ने कहा कि आम चुनाव के दौरान पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उसके बाद गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि मतों की गिनती के बाद शेयर बाजार में भारी तेजी आएगी। उन्होंने उच्च सदन में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि मतों की गिनती होने के बाद शेयर बाजार में भारी गिरावट आयी और छोटे निवेशकों के 30 लाख करोड़ रुपये डूब गए। उन्होंने इसे एक आर्थिक घोटाला करार देते हुए कहा कि इसकी संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच करायी जानी चाहिए। शिवा ने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी इस मुद्दे को उठाया और उन्होंने जेपीसी के गठन का प्रस्ताव किया। उन्होंने शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के विभिन्न कारणों का जिक्र किया और कहा कि इस बार की गिरावट स्वाभाविक नहीं थी और आम निवेशक भाजपा नेताओं के बयानों से आकर्षित हुए। उन्होंने इस क्रम में 'एक्जिट पोल' (मतदान पश्चात सर्वेक्षण) पर निशाना साधा और कहा कि समाचार चैनलों ने बढ़ा-चढ़ाकर आंकड़े पेश किए। उन्होंने आम चुनाव के नतीजों की चर्चा करते हुए कहा कि सरकार को अब भी अपने में सुधार लाने का मौका है। उन्होंने कहा कि आम जनता ने सरकार की नीतियों को नकार दिया और यही वजह है कि उसके सदस्यों की संख्या में कमी आयी और यह भाजपा की नहीं बल्कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार है। उन्होंने कहा कि सरकार को अपने रुख में बदलाव लाना चाहिए और लोकतंत्र का सम्मान तथा संघवाद की भावना का ख्याल रखना चाहिए'। उन्होंने मांग की कि महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित किए जाने से पहले उन पर गहन चर्चा की जानी चाहिए और उन्हें स्थायी समितियों में भेजा जाना चाहिए। शिवा ने नीट परीक्षा को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा और कहा कि तमिलनाडु पहले ही इसके खिलाफ रहा है और वहां की विधानसभा ने इस क्रम में प्रस्ताव भी पारित किया है। उन्होंने दावा किया कि तमिलनाडु विधानसभा द्वारा पारित संकल्प को अब तक केंद्र से मंजूरी नहीं मिली है।

उन्होंने सरकार पर अघोषित आपातकाल लागू करने का आरोप लगाते हुए कहा कि संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) में श्रीलंका के तमिलों को शामिल नहीं किया गया जिससे बड़ी संख्या में तमिल प्रभावित हुए हैं। चर्चा में भाग लेते हुए भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के विनॉय विश्वम ने भी सरकार पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि भाजपा राम मंदिर पर राजनीति करती रही है। उन्होंने नीट परीक्षाओं का जिक्र करते हुए कहा कि अयोध्या के नवनिर्मित राम मंदिर में पहली बरसात में ही पानी टपकने (लीकेज) लगा। उन्होंने 'सेंगोल' अपनाने के लिए भी केंद्र सरकार की आलोचना की और कहा कि यह ब्राह्मण-क्षत्रिय गठजोड़' का प्रतीक है जिसमें समाज के कमजोर एवं पिछड़े वर्गों का ध्यान नहीं रखा जाता। भाकपा सदस्य ने कहा कि सरकार को सेंगोल के बदले भारतीय संविधान को अपनाना चाहिए और समाज के कमजोर तबकों के कल्याण की दिशा में काम करना चाहिए।

श्रीलंका ने नाविक की मौत पर भारत के समक्ष चिंता जताई

चेन्नई/कोलंबो। श्रीलंका ने भारत के समक्ष एक नाविक की मौत को लेकर अपनी चिंता व्यक्त की है जो हाल में द्वीपीय राष्ट्र के जल क्षेत्र में कथित रूप से मछली पकड़ने में लगी एक भारतीय नौका को जब्त करने के लिए चलाए गए अभियान के दौरान मारा गया था। विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने सोमवार को बताया कि भारत में श्रीलंका की उच्चायुक्त क्षेनुका सेनेविरत्ने ने दिल्ली में विदेश मंत्री एस जयशंकर के समक्ष चिंता जाहिर की। पिछले सप्ताह श्रीलंका की नौसेना द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि 25 जून को उत्तर में प्वाइंट पेड्रो के तट पर नौसेना के विशेष बोट स्क्वाड्रन के एक वरिष्ठ नाविक को भारतीय नौका को रोके जाने के अभियान के दौरान गंभीर चोटें आईं।

बयान में कहा गया, दुर्भाग्य से, वरिष्ठ नाविक ने जाफना के टीचिंग अस्पताल में भर्ती होने के बाद दम तोड़ दिया। नौसेना ने कहा कि 10 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया गया और उनकी नौका को जब्त कर लिया गया। गिरफ्तार किए गए 10 मछुआरों पर नाविक की हत्या के साथ-साथ नौसेना की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया गया है। मामले की सुनवाई 22 जुलाई को जाफना के मल्लकुम में तय की गई है। श्रीलंका नौसेना ने पिछले सप्ताह कहा था कि मृतक नाविक की पोस्टमार्टम जांच से पता चला कि उसकी मौत एक दुर्घटना थी जो रीढ़ की हड्डी में चोट के कारण हुई थी। इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि चार नौकाओं पर सवार 25 और भारतीय मछुआरों को सोमवार की सुबह उत्तर में डेल्फ़्त द्वीप के पास श्रीलंकाई नौसेना ने पकड़ लिया। पिछले महीने नौसेना ने एक बयान में कहा था कि उसने 2024 में श्रीलंकाई जलक्षेत्र में घुसने वाली 28 भारतीय नौकाओं को जब्त किया और 214 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया।

चर्चा के दौरान बैठे बैठे टिप्पणी करने के लिए लोकसभा अध्यक्ष ने द्रमुक सांसद से नाराजगी जताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को द्रमुक सदस्य दयानिधि मारन से नाराजगी जताते हुए कहा कि उनकी अन्य सदस्यों के भाषण के दौरान बैठे बैठे टिप्पणी करने की आदत बन गई है।

अध्यक्ष का यह बयान उस समय आया, जब भाजपा नेता अनुराग ठाकुर राष्ट्रपति अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा की शुरुआत कर रहे थे। बिरला ने कहा, ''वरिष्ठ नेता मारन जी की आदत पड़ गई है, बैठे बैठे टिप्पणी करने की।'' उन्होंने कहा कि यह गलत है। द्रमुक सदस्य दयानिधि मारन कुछ टोकाटोकी कर रहे थे तो अनुराग ठाकुर ने कहा, इनके एक नेता ने कहा था कि सनातन धर्म बीमारी की तरह है, इसे नष्ट किया जाना चाहिए। ये हमें स्वीकार्य नहीं है। देश में मुगल और अंग्रेज आए और चले गए, लेकिन सनातन था, है और रहेगा।'' इस दौरान द्रमुक के कुछ सदस्यों ने विरोध जताया तो बिरला ने कहा कि सदस्य (ठाकुर) ने कहा है कि सनातन रहेगा। उन्होंने कहा, ''क्या आपको इसमें कोई आपत्ति है?''

तमिलनाडु सरकार ने वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों का तबादला किया

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने सोमवार को वरिष्ठ नौकरशाहों का तबादला किया और नए स्वास्थ्य सचिव की नियुक्ति की। पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन और वन विभाग में अपर मुख्य सचिव के पद पर तैनात रहीं सुप्रिया साहू का तबादला इसी पद पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में किया गया है। इसी प्रकार गगनदीप सिंह बेदी को ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग का अपर मुख्य सचिव बनाया गया है। इसी प्रकार पी.सेंथिल कुमार को पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन एवं वन विभाग का प्रधान सचिव नियुक्त किया गया है जबकि प्रदीप यादव अब राजकीय उच्च शिक्षा विभाग में अपर मुख्य सचिव होंगे। मुख्य सचिव शिवदास मीणा द्वारा जारी आधिकारिक आदेश के मुताबिक पशुपालन विभाग में अपर मुख्य सचिव पद पर अब तक तैनात रहे मंगत राम शर्मा अब इसी पद पर लोनिवि में नयी जिम्मेदारी संभालेंगे।

तमिलनाडु के पूर्व मंत्री सेंथिल बालाजी सुनवाई को रोकने के लिए लगातार याचिकाएं दायर कर रहे हैं : ईडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। प्रवर्तन निदेशालय ने सोमवार को यहां एक सत्र अदालत को बताया कि धन शोधन मामले में मुकदमे की कार्यवाही को रोकने के परोक्ष इरादे से तमिलनाडु के पूर्व मंत्री वी. सेंथिल बालाजी लगातार याचिकाएं दायर कर रहे हैं और इस तरह मुकदमे की सुनवाई शुरू होने में देरी कर रहे हैं। प्रवर्तन निदेशालय के चेन्नई क्षेत्रीय कार्यालय के उप निदेशक कार्तिक दासारी ने बालाजी द्वारा दायर याचिकाओं के जवाब में प्रधान सत्र न्यायाधीश एस. अली के समक्ष दाखिल अपने जवाबी हलफनामे में यह बात कही।

बालाजी ने याचिका में वर्तमान कार्यवाही को स्थगित करने तथा मामले को बाद की तारीख के लिये स्थगित करने की मांग की। अन्य दो याचिकाओं में उन्होंने जिन दस्तावेजों को आधार बनाया गया संख्या 16 और 17 में गायब दस्तावेज उपलब्ध कराने की मांग की - उनके खाते से संबंधित चालान की प्रतियां, जिन्हें ईडी ने अपनी जांच में एकत्र किया था। अपने जवाबी हलफनामे में दासारी ने कहा कि याचिकाकर्ता/ आरोपी ने पहले ही मुकदमे की कार्यवाही स्थगित करने के लिए याचिका दायर कर दी थी और इस अदालत ने उसे खारिज कर दिया था। इस आदेश को चुनौती देते हुए याचिकाकर्ता ने अपील दायर की थी और यह मद्रास उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित है।

उन्होंने कहा, राहत वर्तमान कार्यवाही को स्थगित करना धारा 309 सीआरपीसी के दायरे में नहीं आता है। इस चरण में इस याचिका की कोई प्रासंगिकता नहीं है और याचिकाकर्ता इसका इस्तेमाल आरोपमुक्त करने से जुड़ी याचिका पर आदेश सुनाने और आरोप तय करने की आगे की कार्यवाही पर रोक लगाने के लिये एक औजार के तौर पर नहीं कर सकता। इस याचिका की स्वीकार्यता और स्थिरता पर तब विचार किया जा सकता है जब सुनवाई शुरू हो। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता/आरोपी उच्च न्यायालय के निर्देशों की पूरी तरह अवहेलना करते हुए विभिन्न मंचों पर याचिकाएं दायर करके मुकदमे की सुनवाई शुरू होने में देरी कर रहा है।

न्यायाधीश ने मामले की आगे की सुनवाई के लिए 4 जुलाई की तारीख तय की। न्यायाधीश ने पूर्व मंत्री की हिरासत भी 4 जुलाई तक बढ़ा दी। पूर्ववर्ती अन्नाद्रमुक सरकार के दौरान परिवहन मंत्री रहे बालाजी को प्रवर्तन निदेशालय ने 14 जून, 2023 को नकदी के बदले नौकरी घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में गिरफ्तार किया था।

ज्ञापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर में सोमवार को भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष और कोयम्बटूर दक्षिण की विधायक वनाति श्रीनिवासन ने दक्षिण निर्वाचन क्षेत्र के लोगों की विभिन्न मांगों और शिकायत जैसे भूमि पट्टा मांग, नए मार्गों पर बसों की आवश्यकता, फ्लैटों की समस्याएं, पल्लाडुकु पार्किंग स्थल और त्यागी कुमारन मार्केट के पुनर्निर्माण को लेकर मुख्य जिला कलेक्टर क्रांति कुमार से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा ।

रोटरी क्लब ने 101 महिलाओं को पिंक ऑटो रिक्शा वितरित किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के रोटरी क्लब ने महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में महिलाओं को सम्मानजनक तरीके से आजीविका कमाने के उद्देश्य से गत 3 वर्षों में 101 पिंक ऑटो रिक्शा प्रदान किए गए और 200 से अधिक महिलाओं को ऑटो रिक्शा चलाने का प्रशिक्षण दिया गया।

ऑटोरिक्शा की लागत का 50% रोटेरियन, फ्रेंड्स ऑफ़ रोटरी और सीएसआर योगदान द्वारा वहन किया जा रहा है। अगले 12 महीनों के भीतर, नए डिस्ट्रिक्ट 3233 के रोटरी क्लबों को 100 नए ऑटो रिक्शा दान करने के साथ 200 और महिलाओं को प्रशिक्षित करने का प्रस्ताव है। योग्य स्कूलों को 1000 से अधिक स्मार्ट बोर्ड उपलब्ध कराने की योजना बनाई जा रही है। रोटरी क्लब के गवर्नर महावीर बोथरा के नेतृत्व में त्यागरायनगर के चेन्नई रोटरी क्लब ने आर्थिक जरूरतों वाली 101 योग्य महिलाओं की पहचान कर गुलाबी ऑटो वितरित किए साथ ही आटो रखरखाव के खर्च के लिए प्रति माह 5000 रुपये देने की घोषणा की। सभी महिला ऑटो चालकों को अलग से पहचानने के लिए एक ओवरकोट दिया गया है। महावीर बोथरा ने कहा कि जहां अब तक 101 गुलाबी ऑटो प्रदान किए गए हैं, वहीं चालू वर्ष में 100 नई महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान करने की योजना बनाई गई है और गुलाबी ऑटो प्रदान करने का निर्णय लिया गया है।

चिदंबरम ने नए आपराधिक कानूनों को लेकर सरकार की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने तीन नए आपराधिक कानूनों के लागू होने के बीच सरकार की आलोचना की और कहा कि यह मौजूदा कानूनों को ''ध्वस्त'' करने तथा उनके स्थान पर बिना पर्याप्त चर्चा व बहस के तीन नए कानून लेकर आने का एक और उदाहरण है। पूर्व गृह मंत्री ने कहा कि दीर्घावधि में, तीन कानूनों को संविधान और आपराधिक न्यायशास्त्र के आधुनिक सिद्धांतों के अनुरूप लाने के लिए उनमें और बदलाव किए जाने चाहिए। भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम ने ब्रिटिश काल के क्रमश: भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम का स्थान ले लिया है।

चिदंबरम ने कहा, तथाकथित नए कानूनों का 90-99 फीसदी अंश कांट-छांट करने, नकल करने और इधर से उधर चिपकाने का काम है। यह काम मौजूदा तीन कानूनों में कुछ बदलाव करके किया जा सकता था लेकिन यह व्यर्थ कवायद बना दी गयी। उन्होंने कहा, ''हां, नए कानूनों में कुछ सुधार किए गए हैं और हम उनका स्वागत करते हैं। उन्हें संशोधन के रूप में पेश किया जा सकता था। दूसरी ओर, कई प्रतिगामी प्रावधान भी है। कुछ बदलाव प्रथम दृष्टया असंवैधानिक हैं।'' वरिष्ठ नेता ने कहा कि स्थायी समिति के सदस्य रहे सांसदों ने इन कानूनों के प्रावधानों पर विचार किया और तीन विधेयकों पर असहमति को लेकर विस्तारपूर्वक पत्र लिखा। चिदंबरम ने कहा कि सरकार ने असहमति पत्रों में आलोचनाओं का कोई खंडन नहीं किया या जवाब नहीं दिया तथा संसद में कोई सार्थक बहस नहीं की। उन्होंने कहा, ''कानूनविदों, बार संघों, न्यायाधीशों और वकीलों ने कई लेखों तथा संगोष्ठियों में तीन नए कानूनों में गंभीर खामियों का जिक्र किया है। सरकार में से किसी ने इन सवालों का जवाब देना भी जरूरी नहीं समझा।'' कांग्रेस नेता ने कहा, ''यह तीन मौजूदा कानूनों को ध्वस्त करने तथा उनके स्थान पर बिना पर्याप्त चर्चा व बहस के तीन नए कानूनों को लाने का एक और उदाहरण है।'' केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि नए कानून न्याय मुहैया कराने को प्राथमिकता देंगे जबकि अंग्रेजों (देश पर ब्रिटिश शासन) के समय के कानूनों में दंडनीय कार्रवाई को प्राथमिकता दी गयी थी।

वरिष्ठ श्रीलंकाई राजनीतिज्ञ और तमिल नेता सम्पंथन का निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/कोलंबो। वरिष्ठ श्रीलंकाई राजनीतिज्ञ और उदारवादी तमिल नेता आर. सम्पंथन का रविवार रात निधन हो गया। सम्पंथन ने द्वीपीय राष्ट्र में तमिल नागरिकों के लिए शांति, न्याय और सम्मान का जीवन सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास किए। तमिल नेशनल अलायंस ने घोषणा की कि सम्पंथन (91) का एक अस्पताल में उपचार के दौरान निधन हो गया। सम्पंथन ने 2004 से तमिल नेशनल अलायंस (टीएनए) का नेतृत्व किया और सिंहली बहुल देश में मुख्य विपक्षी नेता बनने वाले दूसरे तमिल बने। वह बीमार होने के कारण लंबे समय से संसद के मौजूदा सत्र में शामिल नहीं हो रहे थे।

श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने एक संदेश में कहा कि सम्पंथन ने देश में विभाजन को पाटने के लिए अथक काम किया और उनके निधन पर पूरे देश में शोक मनाया जाएगा। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मैं श्री आर. सम्पंथन के निधन पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। एक राष्ट्रीय नेता के रूप में, उन्होंने हमारे देश में विभाजन को पाटने के लिए अथक काम किया। उनके निधन पर पूरे देश में शोक मनाया जाएगा।'' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्रीलंकाई तमिल नेता के साथ अपनी मुलाकात की तस्वीर के साथ सोमवार को 'एक्स' पर पोस्ट किया, टीएनए के दिग्गज नेता आर. सम्पंथन के परिवार और दोस्तों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं।

मोदी ने लिखा, उनके साथ हुई मुलाकातों की यादें हमेशा संजोकर रखूंगा। उन्होंने श्रीलंका के तमिल नागरिकों के लिए शांति, सुरक्षा, समानता, न्याय और सम्मान का जीवन जीने के लिए अथक प्रयास किए। श्रीलंका और भारत में उनके दोस्तों और समर्थकों को उनकी बहुत याद आएगी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सम्पंथन के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए एक्स' पर कहा कि उन्होंने अपना पूरा जीवन द्वीपीय राष्ट्र में तमिलों के लिए समानता, सम्मान और न्याय की लड़ाई के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा, श्रीलंकाई तमिल नेता श्री आर. सम्पंथन के निधन के बारे में सुनकर बहुत दुख हुआ। कई दशकों के दौरान उनके साथ मेरी कई मुलाकातें और बातचीत याद आती हैं। उन्होंने अपना पूरा जीवन श्रीलंका में तमिलों के लिए समानता,

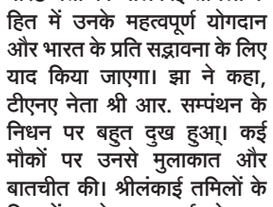

सम्मान और न्याय की लड़ाई के लिए समर्पित कर दिया। उनके परिवार और समर्थकों के प्रति संवेदनाएं।

भारतीय उच्चायुक्त संतोष झा ने भी 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि वरिष्ठ नेता को श्रीलंकाई तमिलों के हित में उनके महत्वपूर्ण योगदान और भारत के प्रति सद्भावना के लिए याद किया जाएगा। झा ने कहा, टीएनए नेता श्री आर. सम्पंथन के निधन पर बहुत दुख हुआ। कई मौकों पर उनसे मुलाकात और बातचीत की। श्रीलंकाई तमिलों के हित में उनके महत्वपूर्ण योगदान और भारत के प्रति उनकी सद्भावना के लिए उन्हें याद किया जाएगा। उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति हार्दिक संवेदना। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे ने भी सम्पंथन के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, टीएनए नेता आर. सम्पंथन के निधन पर मेरी गहरी संवेदना। वह मेरे पुराने मित्र और सहयोगी थे और हम विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते थे। उनका निधन श्रीलंका की राजनीतिक बिरादरी के लिए एक क्षति है और उनके परिवार और दोस्तों को इस दुखद क्षति से उबरने की कामना करता हूं।

श्रीलंका के विपक्षी नेता सजिथ प्रेमदासा ने भी सम्पंथन के निधन पर शोक व्यक्त किया। वहीं श्रीलंका में अमेरिकी राजदूत जूली चुंग ने कहा, श्रीलंका के भीतर एक सामंजस्यपूर्ण, शांतिपूर्ण समाज बनाने के लिए काम करने वाले एक अनुभवी तमिल नेता आर. सम्पंथन के निधन के बारे में सुनकर बहुत दुख हुआ। अल्पसंख्यकों के लिए समान अधिकारों की उनकी वकालत ने सभी श्रीलंकाई नागरिकों के लिए व्यापक मानवाधिकारों को आगे बढ़ाने और एकता को प्रोत्साहित करने में मदद की। अमेरिका की ओर से, मैं उनके परिवार, दोस्तों और प्रियजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। सम्पंथन एक उदारवादी तमिल थे, जो राजनीतिक स्वायत्तता के लिए तमिल मांग के लिए बातचीत के जरिए राजनीतिक समाधान प्राप्त करने के लिए राजनीतिक आंदोलन का नेतृत्व कर रहे थे। तमिलों ने 1948 में ब्रिटेन से स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद से ही स्वायत्तता की अपनी मांग को आगे बढ़ाया, जो 70 के दशक के मध्य से खूनी सशस्त्र संघर्ष में बदल गया।

सम्पंथन 2015 में विपक्ष के नेता बने और 2019 तक एक नए संविधान का मसौदा तैयार करने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल रहे। वह एक प्रतिभाशाली वकील थे। सम्पंथन पहली बार 1977 में त्रिंकोमाली के पूर्वी बंदरगाह जिले से निर्वाचित होकर संसद पहुंचे थे।

संपन्थन ने हमेशा श्रीलंकाई तमिलों के अधिकारों के लिए आवाज उठाई: स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने सोमवार को कहा कि श्रीलंका के दिवंगत तमिल नेता आर संपन्थन कद्दावर शख्सियत थे, जिन्होंने हमेशा श्रीलंकाई तमिलों के अधिकारों के लिए आवाज उठाई और दूसरों का सम्मान भी अर्जित किया। तमिल नेशनल अलायंस' के नेता संपन्थन का 30 जून को कोलंबो में 91 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। संपन्थन को श्रद्धांजलि देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने हमेशा तमिल लोगों के कल्याण के बारे में सोचा और अपनी अंतिम सांस तक काम किया।

स्टालिन ने एक बयान में कहा, संपन्थन एक कद्दावर राजनीतिक शख्सियत थे, जिन्होंने जीवन भर श्रीलंकाई तमिलों के अधिकारों के लिए आवाज उठाई...श्रीलंका की राजनीति में संपन्थन की जगह कोई नहीं ले सकता। उनका निधन न केवल श्रीलंकाई तमिल लोगों के लिए बल्कि दुनिया भर में रहने वाले तमिलों के लिए भी क्षति है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आधी सदी तक सांसद के रूप में संपन्थन के योगदान का श्रीलंका की राजनीति पर गहरा प्रभाव पड़ा। स्टालिन ने कहा, लंबे समय से संपन्थन श्रीलंका के तमिल लोगों को सत्ता हस्तांतरित करने के लिए लड़ रहे थे। मुख्यमंत्री ने तमिलनाडु की ओर से शोक संतप्त लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की।

अपराध मुक्त राजस्थान के निर्माण के लिए नवीन कानून साबित होंगे मील का पत्थर : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से आज 1 जुलाई से लागू हुए नवीन भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम से संविधान की मूल भावना को बल मिला है। पुराने कानूनों में केवल सजा का प्रावधान था, लेकिन अब इन नए कानूनों में न्याय पर जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। अपराधमुक्त राजस्थान बनाने तथा शीघ्र एवं सुलभ न्याय के लिए ये कानून मील का पत्थर साबित होंगे।

शर्मा सोमवार को नवीन आपराधिक कानूनों को आमजन तक पहुंचाने के संबंध में गृह विभाग की उच्चस्तरीय बैठक ले रहे थे। बैठक में सभी 50 जिलों से पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं सीएलजी सदस्य, सुरक्षा सखी, ग्राम रक्षक और पुलिस मित्र तथा आमजन वर्चुअल रूप से जुड़ें। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1860 में बने भारतीय दंड संहिता की जगह भारतीय न्याय संहिता, 1898 में बने दंड प्रक्रिया संहिता के स्थान पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा 1872 में बने एविडेंस एक्ट की जगह भारतीय साक्ष्य अधिनियम के लागू होने से कानून में भारतीयता की आत्मा को दुबारा स्थापित किया गया है। इन नए कानूनों में न्याय की अवधारणा, पीड़ित केन्द्रित सोच तथा त्वरित न्याय के सिद्धांत पर बल दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने लाल किले की प्राचीर से कहा था कि हमें जल्द से जल्द गुलामी की मानसिकता और गुलामी के प्रतीक चिह्नों को समाप्त कर नए आत्मविश्वास से भरे नए भारत की स्थापना करनी है। इसके अनुसरण में उन्होंने आज के समय में अनुपयोगी हो चुके पुराने आपराधिक कानूनों को हटाकर उनके स्थान पर नवीन आपराधिक विधियों को लागू करवाया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जो कहते हैं, वो कर के भी दिखाते हैं।

शर्मा ने कहा कि नए कानूनों में पीड़ित को जल्द न्याय उपलब्ध कराने और दोषी के स्थान पर पुनर्वास की भावना को प्रधानता दी गई है। साथ ही, महिलाओं, बच्चों तथा ग्रामीणों के हितों को बढ़ावा देने के प्रावधानों को भी शामिल किया गया है। इन नए आपराधिक कानूनों में लिंग निरपेक्ष शब्दों द्वारा लैंगिक समानता को बढ़ावा तथा मानसिक विमंदितों के प्रति बौद्धिक विकलांगता जैसे शब्दों का उपयोग किया गया है। मुख्यमंत्री के कहा कि नवीन आपराधिक विधि में आपराधिक मामले के महत्वपूर्ण चरणों को नियत समय-सीमा में बांधा गया है।

नए कानूनों में परिवादी को 90 दिन होने पर मुकदमें की प्रगति से पुलिस को अवगत कराना, प्राथमिक जांच को 14 दिन में सम्पन्न करना, बलात्कार संबंधी मेडिकल रिपोर्ट 7 दिन में प्रदान करना, न्यायालय द्वारा पहली सुनवाई के 60 दिन में आरोप तय करना और विचारण पूरा होने के 45 दिन में निर्णय देने जैसे प्रावधान शामिल हैं, जिससे पीड़ित को त्वरित न्याय मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि नए आपराधिक कानूनों में छोटे-मोटे अपराधों के लिए दंड के स्थान पर सामुदायिक सेवा, ई-चालान, ई-समन जैसे प्रावधान, मॉब लिंचिंग को परिभाषित, ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग, राजद्रोह के कानूनी प्रावधान को समाप्त कर देशद्रोह को स्थान देना जैसे प्रावधानों से देश में न्याय और कानून के शासन को बल मिलेगा।

शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक पुलिस थाने पर इन कानूनों की जानकारी के संबंध में डेशबोर्ड लगाया जाए। साथ ही, नवीन आपराधिक विधियों का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करें। बैठक में बताया गया कि सभी पुलिस कार्मिकों को इन नए कानूनों के बारे में प्रशिक्षित किया जा रहा है। अब तक 51 हजार से अधिक पुलिस कार्मिक इन नए कानूनों का प्रशिक्षण ले चुके हैं। साथ ही, आमजन को सरलतम शब्दों में जानकारी देने के लिए जन-जागरूकता अभियान भी संचालित किया जा रहा है।

सड़क हादसे में नौ की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के करौली जिले के मंडरायल थाना क्षेत्र में सोमवार को एक ट्रक और कार के बीच आमने सामने की टक्कर में छह महिलाओं समेत नौ लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि यह हादसा जिले के मंडरायल कस्बे में डुंडापुरा चौराहे के पास उस समय हुआ जब एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सामने से आ रहे ट्रक से टक्कर हो गई। हादसे में कार में सवार नौ लोगों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, कार में सवार अधिकतर लोग मंडरायल के निवासी थे और कैला देवी मंदिर में पूजा-अर्चना कर घर लौट रहे थे।

करौली के पुलिस अधीक्षक (एसपी) बृजेश ज्योति उपाध्याय ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ट्रक और कार की भिडंत में कार सवार छह महिलाओं समेत नौ लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए।'' उन्होंने बताया कि सभी लोग आपस में रिश्तेदार थे। पुलिस ने बताया कि मृतकों में छह महिलाएं, दो बच्चे और एक पुरुष शामिल हैं। चार घायलों का अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को जयपुर रेफर किया गया है। पुलिस ने बताया कि मृतकों के परिजनों को हादसे के बारे में सूचित कर दिया गया है। पुलिस के मुताबिक, शवों को पोस्टमार्टम के लिये अस्पताल के मुर्दाघर में रखवाया गया है।

राजस्थान के कई हिस्सों में भारी बारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में पिछले 24 घंटे की अवधि के दौरान कई जगह मध्यम से भारी बारिश हुई। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में राज्य में अच्छी बारिश का पूर्वानुमान जताया है। मौसम विभाग के जयपुर केंद्र के अनुसार पिछले 24 घंटे में राज्य के दक्षिणी और पूर्वी हिस्सों में कुछ स्थानों पर मेघगर्जन के साथ मध्यम से भारी बारिश हुई। इस दौरान सर्वाधिक बारिश पूर्वी राजस्थान में बांसवाड़ा के घाटोल में 76 मिलीमीटर और पश्चिमी राजस्थान के जालौर के रानीवाड़ा में 71 मिलीमीटर दर्ज की गई। हालांकि, राज्य में कई जगह पारा अब भी 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बना हुआ है। सर्वाधिक अधिकतम तापमान श्रीगंगानगर में 41.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम केंद्र के अनुसार इस सप्ताह पूर्वी राजस्थान के कुछ भागों में भारी बारिश तथा कहीं कहीं पर अति भारी बारिश होने की संभावना है।

जल संकट से बचाव और पर्यावरण संरक्षण की आदिवासी परम्पराओं से लें सीख : मिश्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय के नौवें स्थापना दिवस की बधाई देते हुए अपेक्षा जताई है कि यह विश्वविद्यालय जनजातीय क्षेत्र में ज्ञान प्रसार का देश का ही नहीं विश्व का उत्कृष्ट संस्थान बनें।

मिश्र ने सोमवार को गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय के नौवें स्थापना दिवस पर राजभवन से ऑनलाइन संबोधित कर रहे थे। उन्होंने जल संरक्षण के लिए आदिवासी परम्पराओं के अंतर्गत होने वाले कार्यों के आलोक में वर्षा जल सहेजने और उन परंपराओं का अन्वेषण किए जाने पर भी जोर दिया, जिससे आदिवासी अकाल और जल संकट से बचाव के साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य करते थे। उन्होंने इस अवसर पर विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाली अखिल भारतीय वाणिज्य विषयक सेमिनार के ब्रोशर का विमोचन किया।

इस मौके पर उन्होंने वहीं निर्मित सभागार, गुलाब वाटिका और जलपान गृह का भी ऑनलाइन लोकार्पण किया। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय नौंवी वर्षगांठ पर जनजातीय क्षेत्र में विद्यार्थियों की रोजगार आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए आधुनिक शैक्षिक विधियों को अपनाएं तथा जनजातीय क्षेत्र की विषमताओं, विसंगतियों को दूर करते हुए उन्हें सशक्त और स्वावलंबी बनाने की दिशा में भी कार्य करे। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा जनजातीय संस्कृति, समाज और पारिस्थितिकी संतुलन के संदर्भ में विशेष शोध परियोजनाओं पर काम करने का भी आह्वान किया।

मिश्र ने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा के माध्यम से आर्थिक विकास, सांस्कृतिक संरक्षण और सामाजिक समरसता के लिए विश्वविद्यालय महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करे। उन्होंने जनजातीय समाज की विशिष्ट आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए नए और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की शुरुआत करने के साथ ही जनजातीय संस्कृति, कला, संगीत, और परंपराओं के अध्ययन और संरक्षण के लिए समर्पित केंद्र की स्थापना करने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय शिक्षा का देश का ऐसा प्रमुख केंद्र बनें जहाँ ज्ञान और संस्कार का समन्वय हो और जनजातीय क्षेत्र के उत्थान के साथ उन्हें मुख्य धारा में लाने का संवाहक बने। इससे पहले विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केशव सिंह ठाकुर ने विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे शैक्षिक प्रयास और नवाचारों के बारे में अवगत करायाा।

लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने सप्त शक्ति कमांड की बागडोर संभाली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने सोमवार को समारोह में जयपुर स्थित सप्त शक्ति कमांड की बागडोर संभाल ली। सैन्य प्रवक्ता कर्नल अमिताभ शर्मा ने बताया कि लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खडकवासला और भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून के छात्र रहे हैं। उन्होंने दिसम्बर 1986 में 19 मद्रास में कमीशन लिया। 37 साल के अपने प्रतिष्ठित और शानदार सैन्य करियर में, उन्हें जम्मू कश्मीर और पश्चिमी मोर्चे पर कमांड और स्टाफ नियुक्तियों का गौरव प्राप्त हुआ है।

उन्होंने बताया कि जनरल ऑफिसर ने जम्मू कश्मीर में आतंकवादियों के खिलाफ अभियानों में अपनी बटालियन की कमान संभालने के अलावा नियंत्रण रेखा पर इन्फैंट्री ब्रिगेड, डेजर्ट स्ट्राइक कोर के हिस्से के रूप में एक इन्फैंट्री डिवीजन और जम्मू कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर तैनात कोर की कमान भी संभाली।

कर्नल शर्मा ने बताया कि वह जम्मू कश्मीर में उग्रवाद विरोधी अभियान में तैनात कोर में कर्नल जीएस (आईडब्ल्यू) और कमांड मुख्यालय में कर्नल जीएस रहे हैं। वह भारतीय सैन्य अकादमी में प्लाटून कमांडर रहे। उनके अनुकरणीय नेतृत्व और राष्ट्र के प्रति कर्तव्य के प्रति समर्पण के लिए उन्हें 2015 में युद्ध सेवा मैडल, 2019 में विशिष्ट सेवा मैडल और 2024 में अतिविशिष्ट सेवा मैडल से सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि वह 30 नवंबर 2022 तक एकीकृत रक्षा स्टाफ (नीति, योजना और बल विकास) के उपप्रमुख रहे। उन्होंने एक दिसंबर 2023 को आर्मी ट्रेनिंग कमांड के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के रूप में पदभार संभाला।

हाईटेंशन लाइन का तार टूट कर ट्रैक्टर पर गिरा, चालक की मौत

जयपुर। राजस्थान में भीलवाड़ा जिले के जहाजपुर थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह हाईटेंशन लाइन का तार टूट कर एक खेत में एक ट्रैक्टर पर जा गिरा जिससे गाड़ी के चालक की मौत हो गई। थानाधिकारी नरपत राम ने बताया कि घटना बिलौटा गांव की है और हाईटेंशन लाइन का तार टूट कर ट्रैक्टर पर गिरने उसमें आग लग गई जिससे चालक देवराज (17) की मौत हो गई। राम ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। उन्होंने बताया कि इस बाबत संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है।

दिलावर ने जारी किया स्कॉलरशिप स्कीम चयन परीक्षा का परिणाम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने सोमवार को शिक्षा संकुल में नेशनल मीन्स कम-मेरिट स्कॉलरशिप स्कीम चयन परीक्षा 2024 का परिणाम जारी किया। नेशनल मीन्स कम-मेरिट स्कॉलरशिप स्कीम परीक्षा 2024 में एक लाख दो हजार 355 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया था जिनमें से 81 हजार 163 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। राजस्थान राज्य का कोटा 5471 है जिन्हें मेरिट के आधार पर चयनित किया गया।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री ने 97.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर मेरिट में प्रथम स्थान पर रहे राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, सियोलो की ढाणी, जोधपुर के छात्र भंवरलाल, 91.6 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय स्थान पर रही राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, सेरूणा, बीकानेर की छात्रा लीला गोदारा एवं 90 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान पर रहे राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गुन्दाओ जालौर के छात्र सचिन कुमार को मोबाईल पर बधाई दी।

उन्होंने तीनों विद्यार्थियों से उनके भविष्य की योजनाओं के बारे में संवाद किया। प्रथम स्थान पर रहे भंवरलाल ने बताया कि वह सिविल सर्विसेज में जाना चाहता है, द्वितीय स्थान पर रही लीला गोदारा ने अध्यापक बनने की बात कही और सचिन कुमार ने कलक्टर बनने की इच्छा जताई।

इस अवसर पर शासन सचिव, स्कूल शिक्षा कृष्ण कुणाल, विशिष्ट शासन सचिव श्रीमती चित्रा गुप्ता निदेशक, माध्यमिक शिक्षा आशीष मोदी, निदेशक प्रारम्भिक शिक्षा सीताराम जाट, श्रीमती कविता पाठक निदेशक, राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद उदयपुर, अतिरिक्त राज्य परियोजना निदेशक श्रीमती पूनम प्रसाद सागर सहित शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। सभी जिलों के मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी व जिला नोडल अधिकारी माध्यमिक मुख्यालय एनएमएमएस इस कार्यक्रम से ऑनलाइन लिंक के माध्यम से जुड़े रहे।

एनएमएमएस प्रभारी व राज्य नोडल अधिकारी श्रीमती कपिला कंठालिया ने बताया कि इस परीक्षा का परिणाम शाला दर्पण पोर्टल पर उपलब्ध रहेगा शाला दर्पण के एनएमएमएस टैब में जाकर रिजल्ट ऑप्शन में रोल नंबर व जन्म दिनांक डालने पर अंक तालिका डाउनलोड की जा सकती है। चयनित विद्यार्थियों के आवेदन शीघ्र ही जुलाई में नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर प्रारंभ हो जाएंगे ।

ग्रामीण जीवन को सरल बनाएं, सहकारिता में हैं विकास की अकूत संभावनाएं : दक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री गौतम कुमार दक ने कहा कि सहकारी समितियों को स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुये नवाचारों को अपनाना चाहिये ताकि ग्रामीण जीवन को सरल और सुगम बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि नवाचार का अधिक से अधिक लोगों में प्रचार प्रसार करें जिससे लोगों में सहकारिता को अपनाने का भाव बढ़े।

दक सोमवार को सहकार भवन में एनसीडीसी के क्षेत्रीय उत्कृष्टता एवं श्रेष्ठता पुरस्कार-2023 के पुरस्कार वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एनसीडीसी की

श्रेष्ठ कार्य करने वाली सोसायटियों को सम्मानित करने की पहल से प्रदेश स्तर पर अधिक से अधिक कार्य करने के लिये उर्जा का संचार होगा। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार की पहल पर 54 नये नवाचार हुए है। सहकारिता में विकास की अकूत संभावनाएं हैं। आवश्यकता यह है कि सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण विकास को नये आयाम दिये जायें। उन्होंने कहा कि सहकारिता के बैनर के तहत नवाचारों के माध्यम से हम छोटे से छोटे कार्य से लेकर बडे से बड़ा कार्य कर सकते हैं। आज सहकारी समितियां सुपर स्टोर के संचालन के साथ-साथ पेट्रोल पम्प, गैस एजेन्सी आदि का संचालन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि पुरस्कार प्राप्त करने वाली सहकारी समितियां अपने जिले की अन्य सहकारी समितियों को भी उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित करे एवं उनका सहयोग करे। उन्होंने कहा कि सहकारिता में सकारात्मक विचार विमर्श के साथ नई नई योजनाओं को बनाकर क्रियान्वित किया जा सकता है। इसके लिये सहकारिता विभाग के अधिकारी व सहकारजनों को मिलकर काम करना होगा। अजमेर जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष मदन लाल चौधरी ने कहा कि अब समय आ गया है कि सहकारी संस्थायें सेवाभाव के साथ-साथ अपने आप को व्यापारिक केन्द्र के रूप में विकसित करें। बदलते बाजार प्रतिस्पर्धा के माहौल में अधिक से अधिक नवाचार किये जाये।

प्रदेश के चिकित्सा संस्थानों में लगाए जाएंगे 1 लाख पौधे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर की पहल पर सोमवार को राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर चिकित्सा विभाग द्वारा प्रदेश के समस्त राजकीय चिकित्सा संस्थानों में पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली में वृद्धि की दृष्टि से 'वृक्षारोपण अभियान' अभियान का शुभारम्भ किया गया। इस अभियान के तहत राज्य के चिकित्सा संस्थानों में लगभग एक लाख पौधे लगाए जाएंगे। यह महत्वपूर्ण अभियान 1 जुलाई 2024 से 31 जुलाई 2024 तक संचालित किया जाएगा।

अतिरिक्त मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्रीमती शुभ्रा सिंह, मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी, आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण इकबाल खान, निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश माथुरने राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर निदेशालय परिसर में पौधारोपण कर मानवता की सेवा के पुनीत कार्य के लिए चिकित्सकों का आभार व्यक्त किया।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने बताया कि चिकित्सा संस्थानों में बेहतर वातावरण, हरियाली, छाया एवं पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं इससे निचले स्तर के चिकित्सा संस्थानों में 5 तथा इससे उच्च स्तर के चिकित्सा संस्थानों में 10 पौधे लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि अभियान के लिए फलदार एवं छायादार वृक्षों का चयन किया गया है।

इनमें नींबू, आंवला, बील, जामुन, अमरूद, अनार, आम, सीताफल, इमली, चीकू, सहजन, खेजड़ी जैसे छायादारवृक्ष शामिल हैं।

बिहार, आंध्र प्रदेश को विशेष दर्जा देने का फैसला गैर-राजनीतिक आधार पर हो : आशिमा गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बिहार और आंध्र प्रदेश को विशेष श्रेणी का दर्जा देने के मुद्दे पर संवैधानिक निकाय को गैर-राजनीतिक आधार पर फैसला करना चाहिए।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति की सदस्य आशिमा गोयल ने सोमवार को यह बात कही।

गोयल ने कहा कि 14वें वित्त आयोग ने पहले ही विशेष श्रेणी के दर्जे वाले राज्यों पर फैसला सुना दिया है।

आंध्र प्रदेश 2014 में अपने विभाजन के बाद से राजस्व हानि के आधार पर विशेष श्रेणी के दर्जे की मांग कर रहा है, क्योंकि हैदराबाद तेलंगाना की राजधानी बन गया है।

बिहार भी 2005 से विशेष दर्जे की मांग कर रहा है, जब नीतीश कुमार ने इसके मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। वर्ष 2000 में खनिज समृद्ध झारखंड को बिहार से अलग कर दिया गया था, जिससे उसे राजस्व का नुकसान उठाना पड़ा। गोयल ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''विशेष श्रेणी का दर्जा के मानदंड मुख्य रूप से कम जनसंख्या घनत्व वाले पहाड़ी इलाकों और संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास के लिए हैं, जो दोनों राज्यों पर लागू नहीं होते।''

विशेष श्रेणी के दर्जे वाले राज्यों के लिए, केंद्र प्रायोजित योजना में आवश्यक निधियों का 90 प्रतिशत योगदान केंद्र सरकार करती है।

दूसरी ओर सामान्य श्रेणी के राज्यों के मामले में यह 60 प्रतिशत होता है। शेष निधि राज्य सरकार को देनी होती है।

जाने-माने अर्थशास्त्री ने कहा, ''इसके अलावा, 14वें वित्त आयोग ने फैसला दिया था कि कोई और विशेष श्रेणी का राज्य नहीं बनाया जाना चाहिए। इस मुद्दे पर सबसे अच्छा होगा कि संवैधानिक निकाय गैर-राजनीतिक विचारों के आधार पर फैसला करे।''

आर्थिक और सामाजिक रूप से बेहतर दक्षिणी और पश्चिमी राज्यों में अक्सर उत्तरी और पूर्वी राज्यों को सब्सिडी देने पर बहस होती है। इस पर गोयल ने कहा कि शुद्ध संसाधन प्रवाह ने देश को एक साथ रखा है। प्रवाह की दिशाएं अतीत में अलग-अलग रही हैं और भविष्य में फिर बदल जाएंगी। उन्होंने कहा कि राज्यों को एक जीवंत बढ़ते साझा बाजार में कहीं अधिक लाभ होता है।

गोयल ने कहा कि तथ्य विभाजनकारी एजेंडे का समर्थन नहीं करते हैं। चार अधिक जनसंख्या वाले उत्तरी राज्यों - बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश तथा चार दक्षिणी राज्यों - आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु के आंकड़ों से पता चलता है कि 2000 के बाद से दक्षिणी राज्यों के लिए करों का फार्मूला आधारित हिस्सा कम हुआ है, जबकि केंद्र से विवेकाधीन अनुदान का हिस्सा उनके लिए बढ़ा है और उत्तरी राज्यों के लिए कम हुआ है। उन्होंने कहा कि ऐसे में दक्षिणी राज्यों को कुल हस्तांतरण का हिस्सा स्थिर रहा है।

गोयल ने कहा कि यह सही है कि कम प्रति व्यक्ति आय वाले राज्यों को वित्त आयोग के नियम आधारित हस्तांतरण का अधिक हिस्सा मिलता है, लेकिन अधिक कुशल राज्यों को सशर्त अनुदान अधिक मिलता है।

भारत माता की आत्मा को लहूलुहान करने के लिए विश्व भर के हिंदुओं से माफी मांगे राहुल गांधी : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर 'भारत माता की आत्मा को लहूलुहान' करने का सोमवार को आरोप लगाते हुए उनसे 'विश्व के करोड़ों हिंदुओं से माफी' की मांग की।

आदित्यनाथ ने हिंदुओं को सहिष्णुता और उदारता का पर्याय बताया तथा कांग्रेस पर मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति में डूबे होने' का आरोप लगाया।

लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी ने सदन में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि खुद को हिंदू कहने वाले हर समय 'हिंसा और नफरत फैलाने' में लगे हैं।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा,'' हिंदू भारत की मूल आत्मा है। हिंदू सहिष्णुता, उदारता और कृतज्ञता का पर्याय है। गर्व है कि हम हिंदू हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति में डूबी हुई, स्वयं को 'एक्सीडेंटल हिंदू' कहने वाली जमात के 'शहजादे' को यह बात भला कैसे समझ आएगी?

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने कहा,''आपको विश्व के करोड़ों हिंदुओं से माफी मांगनी चाहिए राहुल जी! आपने आज एक समुदाय को नहीं, भारत माता की आत्मा को लहूलुहान किया है।

लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण संबंधी धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए गांधी ने कहा, ''सभी धर्मों और हमारे सभी महापुरुषों ने अहिंसा और निडरता की बात की है। वे कहते थे कि डरो मत, डराओ मत। शिवजी कहते हैं डरो मत, डराओ मत। वह अहिंसा की बात करते हैं। लेकिन जो लोग अपने आपको हिंदू कहते हैं वो 24 घंटे हिंसा, नफरत और असत्य की बात करते हैं।''

इस पर सत्ता पक्ष के सदस्यों ने जोरदार तरीके से विरोध जताया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि पूरे हिंदू समाज को हिंसक कहना बहुत गंभीर बात है।

असम में बाढ़ : काजीरंगा के करीब 26 प्रतिशत वन शिविर जलमग्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोलाघाट/जोरहाट (असम)/भाषा। असम में बाढ़ की स्थिति बद्तर होती जा रही है और जलस्तर बढ़ने की वजह से काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिजर्व में स्थित 233 वन शिविरों में से 26 प्रतिशत से अधिक जलमग्न हो गए हैं। आधिकारिक रिपोर्ट में सोमवार को यह जानकारी दी।

रिपोर्ट के मुताबिक काजीरंगा वन्य जीव अभयारण्य का बड़ा हिस्सा जलमग्न हो गया है और बड़ी संख्या में जानवर ऊंचे स्थान की तलाश में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-715 पार कर पूर्वी कार्बी आंगलोंग जिले के दक्षिणी हिस्से की ओर जा रहे हैं। हालांकि, बाढ़ या सड़क पार करने के दौरान किसी जानवर की मौत की खबर नहीं है। बाढ़ को लेकर तैयार रिपोर्ट के मुताबिक काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिजर्व में स्थापित 61 वन शिविर डूब गए हैं। जलमग्न वन शिविरों में अगोराटोली रेंज के 22, काजीरंगा के 10, बागोरी के आठ, बूढ़ापहाड़ के पांच और बोकाखाट के छह शिविर शामिल हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक इनके अलावा राष्ट्रीय उद्यान के बिश्वनाथ वन्यजीव प्रखंड में स्थापित 10 वन शिविर भी जलमग्न हो गए हैं। इसबीच, गोलाघाट जिला प्रशासन ने रविवार शाम को भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता की धारा-144 के निषेधाज्ञा लागू कर दिया है ताकि राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 715 को पार करने वाले जानवरों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। यह राजमार्ग काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान से होकर गुजरता है। गोलाघाट के जिलाधिकारी विवेक श्याम पंग्योक ने बताया कि राजमार्ग पर यातायात का भारी दबाव होता है। उन्होंने कहा, ''बाढ़ के दौरान राजमार्ग पर वाहनों से वन्य जीवों को आवंछित जोखिम पैदा हो सकता है। उन्होंने कहा कि जानवर अस्थायी रूप से कार्बी आंगलोंग स्वायत्त परिषद के अंतर्गत आने वाले प्राकृतिक ऊंचे इलाकों (पहाड़ियों) पर आश्रय के लिए प्रवास करने के लिए गलियारों का उपयोग करते हैं।

सोमवार से लागू निषेधाज्ञा के मुताबिक किसी भी व्यावसायिक वाहन को काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान से गुजरने की अनुमति नहीं दी जाएगी तथा केवल निजी वाहन ही दिन के समय नियंत्रित गति से चल सकेंगे। केवल स्थानीय निजी वाहन को ही रात को राष्ट्रीय उद्यान से गुजरने की अनुमति होगी।

राज्य के कई जिलों में मूसलाधार बारिश की वजह से बाढ़ की स्थिति खराब होती जा रही है और लाखों लोग प्रभावित हुए हैं।

मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को असम में बाढ़ की स्थिति की समीक्षा की और संकट से निपटने के लिए हर संभव मदद का भरोसा दिया।

जब नीतीश की बदौलत केंद्र में सरकार तो बिहार को विशेष राज्य के दर्जे में देरी क्यों : राजद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल ने सोमवार को कहा कि जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार नीतीश कुमार की बदौलत चल रही है तो फिर बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने में देरी क्यों हो रही है।

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लोकसभा में लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए राजद सांसद अभय कुमार सिन्हा ने यह भी कहा कि बिहार को जल्द विशेष राज्य का दर्जा देकर विशेष पैकेज दिया जाए। उन्होंने कहा, ''हमारे मुख्यमंत्री की यह बहुत पुरानी मांग है...अब देर किस बात की है। अब तो आपकी (नीतीश) बदौलत सरकार है। विशेष राज्य के दर्जे में देर किस बात की है।'' सिन्हा ने कहा कि अभिभाषण में बिहार का कोई उल्लेख नहीं था, जबकि बिहार की बैसाखी के सहारे यह सरकार चल रही है। उनका कहना था कि बिहार में 17 महीने महागठबंधन की सरकार चली तो साढ़े पांच लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी गई। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि युवाओं की समस्याओं के समाधान के लिए राष्ट्रीय आयोग का गठन किया जाना चाहिए। भाजपा के संबित पात्रा ने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि राहुल गांधी (सत्तापक्ष के लिए) 'असेट' (पूंजी) हैं। उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी ने सदन में बोला कि जो अपने आपको हिंदू कहते हैं वो हिंसक हैं।

पात्रा ने कहा, ''मैं हिंदू हूं, मैं हिंसक नहीं हूं।'' आईयूएमएल के नेता ईटी मोहम्मद बशीर ने कहा कि नीट मामले का समाधान होना चाहिए, लेकिन परीक्षा को पूरी तरह से रद्द करना उचित नहीं है। आम आदमी पार्टी के सांसद गुरमीत सिंह मीत हायर ने पुरानी पेंशन योजना को पूरे देश में लागू किये जाने की मांग की।

गठबंधन की सरकार को अब दबाव में ही सही जन केंद्रित फैसले लेने होंगे : राजद

नई दिल्ली/भाषा। सरकार पर जनता की अपेक्षाओं पर खरा न उतर पाने का आरोप लगाते हुए राज्यसभा में राजद ने कहा गठबंधन की सरकार को अब दबाव में ही सही जन केंद्रित फैसले लेने होंगे जबकि बीआरएस ने दल-बदल के मुद्दे पर गंभीरता से ध्यान दिए जाने की मांग की। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में हिस्सा ले रहे राजद के मनोज कुमार झा ने कहा कि युवाओं को देश का भविष्य कहा जाता है लेकिन उनकी बेरोजगारी की ओर सरकार का ध्यान नहीं है। न तो देश की शिक्षा प्रणाली पर अब युवाओं को भरोसा है और न ही उन्हें नौकरी मिल पाने की उम्मीद है। उन्होंने जातिगत जनगणना कराए जाने की मांग करते हुए कहा कि ऐसा होने पर वंचितों को उनका अधिकार मिल सकेगा।

राहुल गांधी ने सरकार का विरोध करते हुए शिवभक्तों का भी विरोध किया : चिराग पासवान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर सोमवार को निशाना साधते हुए यहां कहा कि कांग्रेस नेता ने सरकार का विरोध करने के प्रयास में भगवान शिव के भक्तों का विरोध करना शुरू कर दिया है। पासवान ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष पर नेता प्रतिपक्ष पद की गरिमा को घटाने का भी आरोप लगाया।

लोकसभा में राहुल गांधी के भाषण के बारे में पूछे जाने पर लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता चिराग ने कहा कि कोई भी शिव भक्त यह बर्दाश्त नहीं करेगा जिस तरह उन्होंने लोकसभा में भगवान की तस्वीर लहराई। चिराग पासवान ने कहा, ''नेता प्रतिपक्ष के पद की गरिमा होती है। आप इस तरह के बयान नहीं दे सकते।'' उन्होंने कहा, ''सरकार का विरोध करते-करते उन्होंने शिवभक्तों का विरोध करना शुरू कर दिया। मैं भी शिव भक्त हूं। मैं भगवान शिव में आस्था रखता हूं। जिस तरह से आप अपने राजनीतिक फायदे के लिए सदन में शिव की तस्वीर लहरा रहे थे, कोई भी शिवभक्त बर्दाश्त नहीं करेगा। वह कह रहे थे कि डरो मत, लोगों को डराओ मत...यह एक मजाक था। उन्होंने तस्वीर को मेज पर रख दिया, उस पर कागज रख दिए, क्या यही उनकी आस्था है।''

तृणमूल कांग्रेस का आरोप

विपक्ष शासित राज्य कड़ी 'नाकेबंदी' का सामना कर रहे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में सोमवार को तृणमूल कांग्रेस ने सरकार पर वास्तविकता छिपाने का आरोप लगाया और दावा किया कि विपक्ष शासित राज्यों को कड़ी ''नाकेबंदी'' का सामना करना पड़ रहा है।

तृणमूल कांग्रेस के जवाहर सरकार ने उच्च सदन में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि विश्व बैंक के सरकारी दक्षता सूचकांक में भारत का स्थान 66 है और यह चिंताजनक है जबकि सरकार अपनी छवि चमकाने के लिए विज्ञापनों के जरिये लुभावनी तस्वीर दिखा रही है।

उन्होंने कहा कि सरकार जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) की बात करती है तो उसे याद रखना चाहिए कि वह पांच खरब तो क्या 2024 में चार खरब की अर्थव्यवस्था तक भी नहीं पहुंच पाई है। तृणमूल सदस्य ने कहा कि प्रति व्यक्ति जीडीपी में भारत का रैंक दुनिया में 120वां है और हमें समझना चाहिए कि वास्तव में जीडीपी क्या है। ''क्या हम अरबपतियों की जीडीपी की बात करते हैं?'' उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मानक वास्तविकता में बड़ा अंतर बताते हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष शासित राज्यों को भारी 'नाकेबंदी' का सामना करना पड़ रहा है और पश्चिम बंगाल इनमें से एक है जिसे केंद्र की ओर से उसकी बकाया धन राशि नहीं मिल रही है।

उन्होंने कहा कि मनरेगा, स्वास्थ्य से लेकर विभिन्न क्षेत्रों में बंगाल की राशि रोकी गई है। उन्होंने कहा ''चाहे कितना भी दबाव डाला जाए, हम जातिवादी एवं सांप्रदायिक एजेंडा कतई स्वीकार नहीं करेंगे। बंगाल एकमात्र राज्य है जिसने राज्यसभा में 38 फीसदी सांसद महिला सांसदों को भेजा है...।''

नीरज चोपड़ा पेरिस डायमंड लीग नहीं खेलेंगे : रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। ओलंपिक और विश्व चैम्पियन भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा जांघ के भीतरी हिस्से की मांसपेशी में असहजता के कारण रविवार को होने वाली पेरिस डायमंड लीग में भाग नहीं लेंगे। ईएसपीएन से बातचीत में चोपड़ा ने कहा कि वह ट्रेनिंग और थ्रो करते समय ब्लॉकिंग करने वाले अपने पैर को मजबूत बनाने के लिये काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा ,''मुझे थ्रो करते समय ब्लॉकिंग करने वाले पैर को मजबूत करना होगा क्योंकि उसी समय ग्रोइन में खिंचाव आता है । हम इस पर काम कर रहे हैं । मैं कुछ और टूर्नामेंट खेल सकता था और खेलना भी चाहता था । लेकिन मुझे लगा कि स्वास्थ्य सर्वोपरि है । थोड़ी भी असहजता महसूस होने पर रूक जाना ही ठीक है ।''

पिछले महीने फिनलैंड में पावो नुरमी खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले चोपड़ा ने कहा कि वह अब समझदार हो गए हैं और जोखिम नहीं लेते । उन्होंने कहा ,''ओलंपिक में स्वर्ण जीतने से पहले मैं हर प्रतिस्पर्धा में भाग लेना चाहता था । अब अनुभव के साथ सही फैसले लेने लगा हूं । फिनलैंड में प्रदर्शन अच्छा था लेकिन अभी और काम करना होगा ।''

दो बहनों के अपहरण की कोशिश का मामला : दो बदमाश मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

मुरादाबाद (उप्र)/भाषा। मुरादाबाद जिले के थाना मूंढापांडे क्षेत्र की पुलिस ने दो बहनों का अपहरण करने की कोशिश और विरोध करने पर उनके परिवार पर गोलीबारी करने में कथित रूप से शामिल दो आरोपियों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, रविवार को हुई मुठभेड़ में पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के पैर में गोली लगी है। इसके पहले शुक्रवार को प्रशासन ने बुलडोजर चलवा कर मामले के मुख्य आरोपी के घर को ध्वस्त करा दिया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने बताया कि आरोपियों ने थाना मूंढापांडे क्षेत्र के गांव शिवपुरी में 26/27 जून की दरमियानी रात घर में घुसकर दो बहनों को अगवा करने की कोशिश की।

मणिपुर के मुख्यमंत्री ने इस्तीफे की खबरों का खंडन किया, मीडिया से अफवाह न फैलाने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने सोमवार को अपने इस्तीफे की खबरों को निराधार बताया और मीडिया से अफवाह न फैलाने को कहा। सिंह ने दावा किया कि यह उनके कुछ राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों की कोशिश है, जो राज्य में मौजूदा स्थिति का फायदा उठाना चाहते हैं। मणिपुर पिछले वर्ष मई से हिंसा की चपेट में है। एक मीडिया संस्थान द्वारा मुख्यमंत्री के जल्द इस्तीफा देने की संभावना संबंधी खबर चलाये जाने के तीन दिन बाद सिंह का यह बयान आया है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''मणिपुर मुश्किल दौर से गुजर रहा है। ऐसे नाजुक समय में मणिपुर के नेता कमजोर नहीं पड़ सकते। हमें अपनी क्षमताओं पर पूरा भरोसा है।''

देश भर में तीन नये आपराधिक कानूनों के प्रभावी होने पर इंफाल में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद सिंह ने संवाददाताओं से कहा कि मणिपुर मुद्दे को हल करना ज्यादा महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, ''(इस्तीफे की) अफवाहें संभवतः उन लोगों द्वारा फैलाई जा रही हैं, जो मुख्यमंत्री और मंत्री बनना चाहते हैं। साथ ही विपक्ष भी इसमें शामिल है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि मणिपुर की स्थिति पर उनकी सरकार

प्रधानमंत्री कार्यालय और केंद्रीय गृह मंत्रालय के साथ नियमित रूप से बातचीत करती आ रही है। मणिपुर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की अगुवाई कर रहे सिंह ने कहा, ''अगर हम चले गए तो जनता की अगुवाई कौन करेगा? और अधिक अराजकता पैदा होगी। हमें लोगों को सही राह दिखानी होगी।'' सिंह ने मीडिया संस्थानों से निराधार खबरें प्रकाशित नहीं करने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा, ''अगर बिना पुष्टि के अटकलें लगाई जाने वाली खबरें प्रकाशित की जाएंगी तो दहशत का माहौल बन सकता है। ऐसी निराधार खबरें प्रकाशित करने से कुछ लोगों को ही खुशी मिल सकती है। हालांकि, संभावना है कि राज्य के 90 प्रतिशत लोग घबरा जाएंगे।'' उन्होंने मीडिया से मणिपुर आने और वास्तविक स्थिति का जायजा लेने के लिए कहा ताकि राज्य में शांति बहाल करने में मदद मिल सके।

भाजपा नेताओं ने हिन्दुओं को लेकर की गई टिप्पणी के लिए राहुल की आलोचना की

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को विपक्ष के नेता राहुल गांधी की उस टिप्पणी को लेकर संसद के बाहर और भीतर विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि 'खुद को हिंदू कहने वाले हर समय हिंसा और नफरत फैलाने' में लगे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि यह गंभीर मामला है कि राहुल गांधी पूरे हिंदू समाज को हिंसक कह रहे हैं, वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और अन्य मंत्रियों ने कांग्रेस नेता से माफी मांगने की मांग की।

हालांकि, राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए लोकसभा में कहा, ''भाजपा, नरेन्द्र मोदी जी या राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पूरा हिंदू समाज नहीं हैं। हम भी हिंदू हैं।'' शाह ने पोस्ट में कहा, ''हिंदू हिंसा करते हैं, झूठ बोलते हैं और नफरत फैलाते हैं, यह बोलकर राहुल गांधी ने करोड़ों हिंदुओं का अपमान किया है। इसके लिए उन्हें माफी मांगनी चाहिए।''

लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा, ''सभी धर्मों और हमारे सभी महापुरुषों ने अहिंसा और निडरता की बात की है। वे कहते थे कि डरो मत, डराओ मत। शिवजी कहते हैं डरो मत, डराओ मत। वह अहिंसा की बात करते हैं। लेकिन जो लोग अपने आपको हिंदू कहते हैं, वो 24 घंटे हिंसा, नफरत और असत्य की बात करते हैं।'' इस पर सत्तापक्ष के सदस्य खड़े होकर जोरदार तरीके से विरोध जताने लगे। राहुल ने कहा, ''आप हिंदू हैं ही नहीं। हिंदू धर्म में साफ लिखा है सत्य के साथ खड़ा होना चाहिए, सत्य से पीछे नहीं हटना चाहिए। ये इसलिए चिल्ला रहे हैं, क्योंकि तीर दिल में जाकर लगा है।''

अहंकार में डूबा नाडा मेरा करियर खत्म करना चाहता है : बजरंग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पहलवान बजरंग पुनिया ने सोमवार को आरोप लगाया कि खामियों को उजागर करने के कारण राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) की उनके करियर को खत्म करना चाहता है। नाडा ने 23 अप्रैल को तोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता पूनिया को निलंबित कर दिया था चूंकि उन्होंने 10 मार्च को सोनीपत में हुए चयन ट्रायल के दौरान डोप टेस्ट के लिये नमूने नहीं दिये थे।

डोपिंग रोधी अनुशासनात्मक पैनल (एडीडीपी) से हालांकि बजरंग को राहत मिल गयी थी लेकिन नाडा ने 24 जून को बजरंग को दूसरी बार निलंबित कर दिया था। एडीडीपी ने पहला निलंबन इस आधार पर हटा दिया था कि नाडा ने पहलवान को औपचारिक नोटिस देकर आधिकारिक तौर पर उस पर डोपिंग का आरोप नहीं लगाया था। इसके बाद नाडा ने उन्हें फिर से निलंबित कर दिया। बजरंग ने लिखा ''यह दर्शाता है कि नाडा मुझे कैसे निशाना बना रहा है, वे नहीं चाहते कि मैं किसी भी कीमत पर कुश्ती जारी रखू।'' विश्व चैंपियनशिप में कई बार पदक जीतने वाले इस 30 साल के खिलाड़ी ने दावा किया कि उन्होंने कभी नमूना देने से इनकार नहीं किया, बल्कि केवल इस बात का जवाब मांगा था कि नाडा ने दिसंबर 2023 में नमूना संग्रह के लिए एक एक्सपायर हो चुकी किट क्यों भेजी थी।''बजरंग ने कहा, ''उनके पास कोई जवाब नहीं है और वे अपनी गलतियों की जिम्मेदारी नहीं लेना चाहते, वे सिर्फ अपने छुटकारे के लिए एथलीट को परेशान करना चाहते हैं। नाडा नहीं चाहता कि कोई उनके गलत तरीकों पर सवाल उठाए और अगर कोई ऐसा करता है तो उसे निशाना बनाया जाता है ताकि वह अपना खेल जारी न रख सके। नाडा एक्सपायर हो चुकी किट के बारे में जवाब क्यों नहीं देता?'' उन्होंने कहा, ''नाडा इस बात का जवाब क्यों नहीं देता कि दो मैचों के बीच नमूना लेने के लिए मुझपर दबाव दिया गया, जबकि उन्हें पता था कि मेरे पास अगले मुकाबले की तैयारी करने के लिए केवल 20 मिनट थे।''

बजरंग ने कहा कि मामले में वह हार नहीं मानेंगे। अगर नाडा अपने अहंकार के लिए पहलवानों के धैर्य और अपने अधिकारों के लिए खड़े होने के दृढ़ संकल्प को चुनौती देना चाहता है, तो उसे ऐसा करने दो। पहलवान यहीं है और अंत तक लड़ेगा। मेरे वकील समय पर जवाब दाखिल करेंगे।

सुविचार

सब्र और सहनशीलता कोई कमजोरी नहीं होती, ये तो अंदरुनी ताकत है, जो सब में नहीं होती।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बर्बर कृत्य

पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर के चोपड़ा में एक 'जोड़े' को छड़ी से पीटने की घटना का वीडियो रोंगटे खड़े कर देनेवाला है। इस राज्य में यह क्या हो रहा है? वीडियो देखकर लगता नहीं कि पिटाई करने वाले शख्स को कानून का कोई डर है। उसने जिस तरह युवक-युवती को सरेआम पीटा, वह अत्यंत बर्बर है। हैरत होती है कि 21वीं सदी में ऐसी घटना हुई, वह भी हमारे देश में! मजमा लगाकर 'इन्साफ' करने की ऐसी घटनाएं पहले अफगानिस्तान में खूब होती थीं। वहां आज भी तालिबान शासन में सजा देने के खौफनाक तरीके प्रचलित हैं। लेकिन भारत में यह कैसे हो सकता है, जहां कानून-व्यवस्था कायम रखने के लिए एक आधुनिक व स्पष्ट तंत्र है? आरोपी अपने हाथों में छड़ी लेकर युवक-युवती को पीटता रहा और लोग खड़े तमाशा देखते रहे! क्या तृणमूल कांग्रेस के राज में कुछ लोग इतने उद्दंड हो गए हैं कि उन्हें किसी की परवाह नहीं है? आरोपी तजमुल उर्फ जेसीबी को चोपड़ा से तृणकां विधायक हमीदुल इस्लाम का करीबी बताया जा रहा है। इतनी बड़ी घटना को बेखौफ होकर अंजाम देने वालों पर राजनीतिक छत्रछाया न हो, यह मुश्किल लगता है। कोई सामान्य व्यक्ति इतना दुस्साहस नहीं कर सकता। घटना के संबंध में हमीदुल ने जो बयान दिया, एक विधायक से तो उसकी उम्मीद नहीं की जा सकती। वे किन 'नियमों' का हवाला दे रहे हैं? 'सामाजिक सम्मान' और 'रिवाजों' के नाम पर ऐसे बर्बर कृत्य की अनुमति किसी को नहीं है। ऐसी घटना पाकिस्तान, अफगानिस्तान, सीरिया, इराक या बांग्लादेश जैसे देशों में होती (तब भी यह निंदनीय कहलाती), तो एक बार यह माना जा सकता था कि वहां सामाजिक समानता, मानवाधिकारों की स्थिति अच्छी नहीं है, न्याय प्रणाली पर रूढ़िवाद हावी है, लेकिन भारत में प. बंगाल के विधायक पीड़ित महिला के लिए ही आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं!

यह तो इस पूरे कांड का किसी ने वीडियो बना लिया, अन्यथा न इसके बारे में सबको पता चलता और न ही तजमुल की गिरफ्तारी होती। वीडियो में आरोपी शख्स दोनों को छड़ी से तो पीटता ही है, वह युवती के बाल पकड़कर उसे लात भी मारता है। उसकी हरकत का कोई विरोध नहीं करता, बल्कि हर कोई मूकदर्शक बना रहता है! क्या प. बंगाल में दबंगों व अपराधियों का दुस्साहस इतना ज्यादा बढ़ गया है कि कोई उनका विरोध भी नहीं कर सकता? संदेशखाली की घटना को भी कौन भुला सकता है? महिलाओं के खिलाफ इतनी क्रूरता की घटनाएं पुलिस की भूमिका पर सवाल खड़े करती हैं। हर राज्य की पुलिस का अपना खुफिया नेटवर्क होता है, जिससे जुड़े लोग उसके आंख-कान बनकर महत्त्वपूर्ण सूचनाएं भेजते रहते हैं। क्या पुलिस के पास आरोपी तजमुल के बारे में कोई सूचना नहीं थी? जब उसने 'तुरंत इन्साफ' करने के लिए यह मजमा लगाया तो पुलिस को कैसे पता नहीं चला? वीडियो में साफ दिखता है कि काफी बड़ा जमघट लगा था। क्या वहां मौजूद लोगों में से एक ने भी पुलिस को सूचित नहीं किया, जबकि सूचना देने के कई सरल विकल्प हैं? वीडियो वायरल होने के बाद आरोपी गिरफ्तार भी हुआ और तृणकां ने उससे पल्ला झाड़ते हुए पीड़ितों को सुरक्षा उपलब्ध कराने और घटना में शामिल लोगों में से किसी को न बख्शने की बात कही। अगर हकीकत में ऐसा हो तो ठीक है, लेकिन बेहतर यह होगा कि राज्य सरकार तजमुल जैसे दबंगों पर शिकंजा कसे और उन विधायकों को मर्यादा का पाठ पढ़ाए, जो वोटबैंक को 'खुश रखने' के लिए वाणी और व्यवहार का संयम भूल जाते हैं।

ट्वीटर टॉक

केंद्र सरकार में नई जनसेवा की नई जिम्मेदारी प्राप्त करने के बाद जोधपुर में ज़िला प्रशासन के अधिकारियों से संवाद किया। उन्हें आश्वस्त किया कि अब डबल इंजन के शासन में प्रशासन को किसी भी मुद्दे पर राजनीति नहीं जनहित का ख़्याल रखना होगा।

-गजेन्द्रसिंह शेखावत

राहुल गांधी का बयान झूठ का एक पुलिंदा है, उत्तर प्रदेश और श्री अयोध्या धाम को बदनाम करने की साजिश है... इसका जवाब समय आने पर श्री अयोध्या धाम और देश की जनता कांग्रेस पार्टी व इंडी गठबंधन को देगी।

-योगी आदित्यनाथ

भारत की आजादी के बाद किसी भी कानून को पारित कराने के लिए इतनी लंबी चर्चा का प्रोसेस नहीं हुआ है। 4 साल तक इस कानून पर विचार हुआ और आपको अभी भी कुछ कहना है, तो आप जरूर आइए मैं सुनने को तैयार हूं।

-अमित शाह

प्रेरक प्रसंग

परमार्थ हेतु यज्ञ

राजा जनमेजय एक बार वेदव्यास जी के चरणों में बैठकर सत्संग कर रहे थे। व्यासजी ने विस्तार से उन्हें भगवती देवी के विभिन्न रूपों की जानकारी दी और बताया कि सभी अवतारों तथा देवादिदेव शिवजी ने भी अनेक बार देवी की आराधना और कृपा पाई। राजा जनमेजय ने प्रश्न किया, 'देवी की कृपा प्राप्त करने के लिए किए जाने वाले यज्ञ में किन-किन बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए?' व्यास जी ने बताया, 'यदि पूर्ण ईमानदारी और परिश्रम से अर्जित कमाई को यज्ञ में लगाया जाता है और पूर्ण शास्त्रीय विधि-विधान तथा शुद्ध मंत्रों से आहुति दी जाती है, तो यज्ञ का सुफल मिलता है।' व्यास जी ने कई उदाहरण देकर बताया कि अन्याय से अर्जित धन से किए गए यज्ञों से देवी-देवता प्रसन्न नहीं, रुष्ट होते हैं। यज्ञ करने वाले को सर्वप्रथम मन को काम, क्रोध, लोभ जैसे दुर्गुणों से मुक्त कर शुद्ध बनाना चाहिए। जब यज्ञकर्ता इंद्रियों के विषयों का परित्याग कर पवित्र हो जाए, तभी यज्ञ करें। सदाचारी ही देवी-कृपा का अधिकारी होता है।' उन्होंने बताया, 'किसी का अहित करने के उद्देश्य से किया गया यज्ञ विनाशकारी होता है। अतः परमार्थ और धर्मरक्षार्थ ही यज्ञ करना चाहिए।'

सामयिक

भारत में शारीरिक निष्क्रियता का बढ़ना चिन्ताजनक

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

भारत में बढ़ती शारीरिक अकर्मण्यता एवं आलसीपन एक समस्या के रूप में सामने आ रहा है, लोगों की सक्रियता एवं क्रियाशीलता में कमी आना एवं वयस्कों में शारीरिक निष्क्रियता का बढ़ना चिन्ता का सबब है। इस दृष्टि से प्रतिष्ठित लैंसेट ग्लोबल हेल्थ जर्नल की वह हालिया रिपोर्ट आईना दिखाने वाली है जिसमें पचास फीसदी भारतीयों के शारीरिक श्रम न करने का उल्लेख है। महिलाओं की स्थिति ज्यादा चिंता बढ़ाने वाली है। उनकी निष्क्रियता का प्रतिशत 57 है। वैसे अकेले पुरुषों की निष्क्रियता का प्रतिशत 42 है। इस अध्ययन में यह अनुमान लगाया गया है कि अगर वर्तमान में तेजी से पसर रहा आलसीपन एवं शारीरिक निष्क्रियता इसी तरह जारी रहा तो 2030 तक भारत में अपर्याप्त शारीरिक सक्रियता वाले वयस्कों की संख्या बढ़कर साठ प्रतिशत तक पहुंच जायेगी, जो चिन्ताजनक है।

लैंसेट ग्लोबल हेल्थ रिपोर्ट के अनुसार, भारत की आधी वयस्क आबादी विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के शारीरिक गतिविधि संबंधी मानदंडों को पूरा नहीं कर रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश के वयस्कों में अपर्याप्त शारीरिक सक्रियता का पैमाना 2000 में 22.3 फीसदी से बढ़कर 2022 में 49.4 फीसदी हो गई है, साथ ही इसमें बताया गया है कि देश में महिलाएं पुरुषों की तुलना में ज्यादा शारीरिक रूप से ज्यादा निष्क्रिय हुई हैं। इस निष्क्रियता, आलसीपन एवं उदासीनता का कारण बढ़ते उपभोक्तावाद एवं शहरीकरण से उपजी सुविधावादी एवं आरामदायक जीवनशैली है। इसके कारण बीमारियां भी बढ़ रही है। क्योंकि जब व्यक्ति को सुस्त, निढ़ाल एवं निस्तेज देखा जाता है तो इसका सीधा अर्थ यही लगाया जाता है कि शायद उसकी तबीयत ठीक नहीं है। विडम्बना यह भी है कि समय के साथ विस्तृत होने दायरे के बीच ज्यादातर लोगों की व्यस्तता तो बढ़ी है, मगर उनकी शारीरिक सक्रियता, उत्साह एवं जोश में तेजी से कमी आई है, जो नये बनते भारत एवं सशक्त भारत के निर्माण के संकल्प के सामने एक बड़ी चुनौती है।

भविष्य के भारत को लेकर सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि देश की साठ प्रतिशत आबादी अगर शारीरिक रूप से पर्याप्त सक्रिय नहीं रहे तो आने वाले वक्त में यहां की आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक रूप से कैसी तस्वीर बनेगी। जिस देश की अधिकांश आबादी के सामने रोजी-रोटी की समस्या जटिल एवं अहम है, वहां के लोगों को जीवन चलाने के लिये शारीरिक रूप से जरूरत से ज्यादा सक्रिय रहते हुए श्रम करना पड़ता है। इन स्थितियों में बड़ा सवाल खड़ा हो गया है कि भारत में ऐसे हालात कैसे पैदा हो रहे हैं कि यहां इतनी बड़ी आबादी सुस्त एवं आलसी होती जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन सहित शोधकर्ताओं का मानना है कि भारत एशिया प्रशांत में उच्च आय वर्ग वाले देशों में निष्क्रियता के क्रम में दूसरे स्थान पर है।

निस्संदेह, लैंसेट ग्लोबल हेल्थ जर्नल की हालिया रिपोर्ट आंख खोलने वाली है, रिपोर्ट गंभीर चिन्तन-मंथन की आवश्यकता को भी उजागर कर रही है।। यह जानते हुए भी कि भारत लगातार मधुमेह और हृदय रोग जैसी बीमारियों में जकड़ता हुआ बीमार राष्ट्र बनता जा रहा है। इन असाध्य बीमारियों का कारण कहीं-न-कहीं श्रम की कमी एवं सुविधावादी जीवनशैली ही है। दरअसल, आजादी के बाद देश में आर्थिक विकास को गति मिली है। अब हम दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। औसत भारतीय के जीवन स्तर में सुधार जरूर आया है तो आम नागरिक का जीवन सुविधावादी भी बना है। इस संकट की वजह शहरीकरण और जीवन के लिये जरूरी सुविधाओं का घर के आस-पास उपलब्ध हो जाना भी है, आनलाइन प्रचलन भी बड़ा कारण बन रहा है। पहले देश की साठ फीसदी से अधिक आबादी कृषि व उससे जुड़े श्रमसाध्य कार्यों में सक्रिय थी। लेकिन अब मेहनतकश किसान को कोई शारीरिक श्रम करने की जरूरत नहीं पड़ती है, कृषि की ही तरह अन्य श्रम से जुड़े कार्यों में भी मेहनत एवं श्रम पहले ही तुलना में कम करना पड़ता है क्योंकि धीरे-धीरे कृषि एवं अन्य क्षेत्रों में आधुनिक यंत्रों व तकनीकों ने शारीरिक श्रम की महत्ता को कम किया है। कृषि-क्रांति से बड़ी संख्या में निकले लोगों ने शहरों को अपना ठिकाना बनाया, लेकिन वे शारीरिक सक्रियता को बरकरार नहीं रख पाये। इन स्थितियों ने भी व्यक्ति को आलसी, अकर्मण्य एवं सुस्त बनाया है। इस शारीरिक निष्क्रियता के मूल में भारतीय पारिवारिक संरचना व सांस्कृतिक कारण भी हैं। घर-परिवार संभालने वाली महिलाओं में भी बढ़ते सुविधा के साधनों के कारण श्रमशीलता कम हुई है। कुछ दूर पर सब्जी-फल लेने जाने पर भी हम वाहनों का इस्तेमाल करते हैं। ऐसा भी नहीं है कि शहरों में स्वास्थ्य चेतना का विकास नहीं हुआ, लेकिन इसके बावजूद शहरों के पार्कों में सुबह गिने-चुने लोग ही नजर आते हैं। व्यक्तियों में प्रातः भ्रमण, योग, ध्यान, व्यायाम की गतिविधियों में भी कमी देखने को मिल रही है।

इस जटिल से जटिलतर होती समस्या से मुक्ति के लिये हर व्यक्ति को जागरूक होना होगा। खुद को छोटी-मोटी असुविधाओं के लिए तैयार करना होगा। कभी-कभार थोड़ा कम नींद लेने, कम खाने या फिर ज्यादा देर काम कर लेने की मानसिकता को बल देना होगा। जरा सी चुनौती सामने आने पर बेचैन न हों, उसे नया सीखने के मौके व नए अनुभव के रूप में देखना होगा। अक्सर जब कुछ नया करने के लिए कदम बढ़ाते हैं, तो पुरानी आदतें एवं आराम की मानसिकता तुरंत परीक्षा लेने आ जाती हैं। हमें ललचाती हैं या फिर खुद को थोड़ा ढील देने के लिए कहती हैं। मन भी खुद को बड़ी आसानी से समझाने लगता है कि कुछ देर और सो जाने, और मीठा खा लेने, फोन पर बात करने या काम को कल पर टालने से कुछ गड़बड़ नहीं होगा। कुल मिलाकर हम मन के बहकावे में आने लगते हैं और खुद को छूट देने लगते हैं जो हमें सुस्त, आलसी एवं निस्तेज बनाता है।

विचित्र स्थिति यह भी है कि लोगों में व्यस्तता में एक अजीब किस्म की बढ़ोतरी हुई, जीवन व्यस्त से ज्यादा अस्त-व्यस्त हुआ है। जरूरी कामों को छोड़कर तमाम लोग रोजाना पांच से सात घंटे या इससे भी ज्यादा समय अपने स्मार्टफोन या अन्य तकनीकी संसाधनों, सोशल मीडिया एवं अन्य आभासी मंचों पर समय बर्बाद करते हैं। कोरोना महामारी के दौरान वर्क फरोम होम का प्रचलन बढ़ा, उसने भी लोगों को ज्यादा शिथिल होने में भूमिका निभाई है। देर राज तक जगना एवं सुबह देर तक सोना, इस तरह बिगड़ती दिनचर्या एवं शरीर की प्राकृतिक घड़ी का चक्र बिगड़ने से दिन भर आलस्य बना रहता है। ताजा अध्ययन में पता चला कि 195 देशों में भारत अपर्याप्त शारीरिक सक्रियता के मामले में 12वें स्थान पर है। इसके अलावा, लैंसेट की रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक स्तर पर एक तिहाई वयस्क लगभग 1.8 बिलियन लोग 2022 में अनुशंसित शारीरिक सक्रियता को पूरा करने में विफल रहे। जिसके कारण मधुमेह एवं हृदय रोग का खतरा मंडरा रहा है। भारत, पाकिस्तान और अफगानिस्तान जैसे देशों में महिलाओं में अपर्याप्त शारीरिक गतिविधि चिंता का विषय बनी हुई है। क्योंकि वे पुरुषों की तुलना में 14-20 फीसदी से अधिक पीछे हैं। अध्ययन के अनुसार, बांग्लादेश, भूटान और नेपाल जैसे पड़ोसी देशों में महिलाएं अधिक सक्रिय हैं। भारत में बढ़ती शारीरिक निष्क्रियता, आलसीपन एवं सुस्ती को दूर करने के लिये समग्र जन-चेतना को जगाना होगा। सरकार को भी शारीरिक श्रम की योजनाओं को बल देना होगा। शारीरिक सक्रियता में कमी की वजहों और नतीजों पर अगर गौर नहीं किया गया तो इन सबका समुच्चय आखिर व्यक्ति को विचार, कर्म, शरीर से कमजोर ही नहीं बल्कि बीमार बनायेगा, जो आजादी के अमृतकाल को धुंधलाने का बड़ा कारण बन सकता है।

ज्ञान विज्ञान

वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष में खोजा विशाल एस्टेरॉयड

हमारा सौरमंडल हैरान करने वाले रहस्यों से भरा हुआ है। वैज्ञानिकों ने ऐसी ही आश्चर्यजनक खोज में एक क्षुद्रग्रह (नीशौळव) का पता लगाया है, जो सूर्य के चारों ओर अपनी वार्षिक परिक्रमा में पृथ्वी के साथ-साथ चल रहा है। इस एस्टेरॉयड को 2023 ऋथ13 नाम दिया गया है। वैज्ञानिकों ने एस्टेरॉयड को अर्द्ध-चंद्रमा या अर्द्ध-उपग्रह कहा है, क्योंकि यह चंद्रमा की तरह ही पृथ्वी के समान समय सीमा में सूर्य की परिक्रमा कर रहा है। हालांकि, ये पाया गया है कि एस्टेरॉयड पर पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण का भी खिंचाव पड़ा है। 50 फीट (15 मीटर) व्यास का एस्टेरॉयड पृथ्वी से लगभग 1.4 करोड़ किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

वैज्ञानिकों ने 28 मार्च 2023 के पैन-स्टार्स सर्वे दूरबीन की मदद से एस्टेरॉयड को देखा था। दूरबीन को हवाई द्वीप पर एक निष्क्रिय ज्वालामुखी के शीर्ष पर रखा गया था। कनाडा-फ्रांस-हवाई दूरबीन के साथ ही एरिजोना में दो ऑब्जर्वेटरी ने भी क्षुद्रग्रह की उपस्थिति की पुष्टि की। क्षुद्रग्रह को

आधिकारिक तौर पर 1 अप्रैल को अंतरराष्ट्रीय खगोलीय संघ में माइनर प्लैनेट सेंटर ने सूचीबद्ध किया था। हमारे सौरमंडल में नए चंद्रमा, ग्रहों के साथ-साथ अन्य खगोलीय वस्तुओं को नामित करने की जिम्मेदारी इसी संगठन पर है।

खगोलशास्त्री एड्रियन कॉफिनेट ने एस्टेरॉयट के मार्ग की मैपिंग के लिए एक कक्षा सिम्युलेटर का उपयोग किया। इस कक्षा सिम्युलेटर को शौकिया खगोलशास्त्री टोनी डन ने विकसित किया था। मॉडल में एस्टेरॉयड 2023 ऋथ13 को पृथ्वी के बराबर ही सूर्य के चारों ओर घूमते हुए देखा गया। एस्टेरॉयड धरती के चारों ओर चक्कर लगा रहा था, इसलिए कॉफिनेट ने इसे अर्द्ध-चंद्रमा के रूप में वर्गीकृत किया। वैज्ञानिकों के अनुसार, एस्टेरॉयड कम से कम 100 ईसा पूर्व से हमारे ग्रह के साथ चक्कर लगाता हुआ प्रतीत होता है। वैज्ञानिकों के अनुसार, इस एस्टेरॉयड के सूर्य के चारों ओर अपनी कक्षा में पृथ्वी के चारों ओर लगभग साल 3700 अनुसरण करने की संभावना है। कॉफिनेट ने कहा, यह पृथ्वी का अब तक ज्ञात सबसे लंबा अर्द्ध उपग्रह प्रतीत होता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि क्षुत्रग्रह भले ही हमारे ग्रह के अपेक्षाकृत करीब मंडरा रहा है, लेकिन इसके पृथ्वी से टकराने की संभावना नहीं है।

नजरिया

भाग्य साहसी पुरुषों का देता है साथ

संजीव ठाकुर

मोबाइल : 9009 415 415

अब्राहम लिंकन ने भी कहा कि डर कमजोर दिमाग के निशानी है।, मनुष्य को डर अपने दिमाग से निकाल देना चाहिए, डर के परिणाम स्वरुप ही शंका पैदा होती है, और शंका व्यक्ति के मन में कमजोरी लाती है। डरा हुआ व्यक्ति हमेशा नकारात्मक विचारों वाला होता है और यही नकारात्मक विचार असफलता को जन्म देते हैं, गीता का भी ज्ञान है कि कर्म किए जा फल की इच्छा मत रख ए इंसान, आप स्वयं एक दिन कह उठेंगे भाग्य साहसी व्यक्ति का साथ देता है।

जहां सफलता की संभावना एकदम कम तथा न्यून हो और सफलता मिल जाए तो भाग्य को श्रेय दिया जाता है। वास्तव में जो सफलता के चरम पर होता है, वह खुद ही जानता है कि भाग्य जैसी कोई चीज नहीं होती है। पर सफल व्यक्ति से जुड़े हुए लोग उसके साहस और श्रम को श्रेय देने के बजाय व्यक्ति के भाग्य पर जोर देने लगते हैं। इस दुनिया में दो तरह के लोग होते हैं, जो सफलता को कुछ निश्चित गुणों पर आधारित मानते हैं।असफल व्यक्ति ही भाग्य पर ज्यादा भरोसा करते हैं, असफल होने पर अपने भाग्य को कोसते हैं। वस्तुतः भाग्य नाम की कोई चिड़िया होती ही नहीं है। भाग्य साहस और मेहनत की परिणति है। जिसके भीतर साहस और श्रम करने की प्रवृत्ति होती है, वही व्यक्ति सफल होता है। भाग्य उसका सदैव साथ देता है। साहसी व्यक्ति मेहनत से नहीं डरता,चुनौतियां स्वीकार करता है,और निडर होकर हर चुनौती का डटकर मुकाबला करता है। साहसी व्यक्ति कांटों से भरे पथ पर चलने के लिए तत्पर रहता है, डर नामक चीज़ से वह परिचित नहीं होता है। और अपनी मेहनत और साहस के बल पर बड़ी से बड़ी सफलता प्राप्त करता है, वही व्यक्ति भाग्यवान कहलाता है। मशहूर मुक्केबाज मोहम्मद अली उर्फ कैशियस क्ले ने एक महत्वपूर्ण मुक्केबाजी की स्पर्धा जीतकर कहा था, जो व्यक्ति जीवन में ज्यादा खतरे नहीं उठाता वह एक साधारण जिंदगी जीने से ज्यादा कुछ नहीं कर सकता मोहम्मद अली के इस कथन में कई सफलता के तत्व छुपे हुए हैं, यदि आपने अपनी जिंदगी में साहस नहीं दिखाया तो निश्चित तौर पर आप कुछ भी उल्लेखनीय नहीं कर सकते हैं, साहस एक ऐसा माननीय गुण है जो व्यक्ति की सफलता को दुगना कर देता है।

साहस और श्रम ही जीवन का पर्याय है, और ऐसे व्यक्ति भीड़ में अलग दिखाई देते हैं। उन्हें ही समाज सफल व्यक्ति एवं भाग्यवान होने की श्रेणी में रखता है। साहसी व्यक्ति के मन में हिचक नहीं होती वह किसी भी निर्णय लेने में कभी किंकर्तव्यविमूढ़ नहीं होता, अनेक कठिनाइयों का सामना करते हुए वह अपने साहस और श्रम पर विश्वास रख आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहता है। नेपोलियन बोनापार्ट के अनुसार भाग्य केवल सक्रिय मस्तिष्क का साथ देता है, इसीलिए मनुष्य को अपना मस्तिक सदैव क्रियाशील व सक्रिय रखना चाहिए, वास्तव में हम जैसे विचार रखते हैं, हम जैसा सोचते हैं, हम वैसे ही बन जाते हैं, जिसने विचारों की ऊर्जा को पहचाना, उसका जीवन सकारात्मक तथा सफलता के कदम चूमता है। अपने लक्ष्य के बारे में सदैव विचार करते रहें एवं उपलब्ध संसाधनों का रोना रोने के बजाय यह सोचना आवश्यक होगा कि हम अपना सर्वोत्तम कैसे दे सकते हैं। ऐसे विचारों और साहस के बहुत बड़े उदाहरण मीराबाई चानू, बजरंग पूनिया और गोल्डन ब्वॉय नीरज चोपड़ा हैं, जो देश के लिए बहुत बड़े उदाहरण हैं। इसके अलावा अन्य भी जिन्होंने ओलंपिक 2020 जापान में देश के लिए खेल में चार और मेडल प्राप्त किया और देश का गौरव बढ़ाया। इन सब को बधाइयों के साथ शुभकामनाएं भी हैं, इनकी मेहनत लगन और साहस को देश के 135 करोड़ आवाम का अभिनंदन तथा वंदन है।

थॉमस कूलर के अनुसार बुद्धिमान व्यक्ति अवसर को एक अच्छे भाग्य में बदल देता है। और वही व्यक्ति जो अवसर की तलाश में रहता है, उसे परिवर्तित कर अच्छे परिणाम देकर,अपने परिवार, समाज देश का नाम स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज करवाता है। स्वयं को मिले अवसरों को सफलता में बदल डालिए, आपका हर पल बहुत कीमती है, उसे नष्ट ना करें, सफलता को अपनी आदत में शुमार कर लीजिए फिर देखिए दुनिया आपकी, संसार आपका, सफलता आपके द्वार पर होगी। क्या आपने कभी विचार किया की ओलंपिक में गोल्ड मेडलिस्ट अभिनव बिंद्रा और नीरज चोपड़ा की सफलता का राज क्या है, निसंदेह उनके मन में केवल मेहनत परिश्रम और साहस था, उनके दिमाग में डर नाम की कोई चीज नहीं थी। यही उनकी सफलता का बड़ा फलसफा है।

प्राचीन यूनानी कवि वर्जिन में युवाओं को संबोधित करते लिखा था कि भाग्य सदैव साहसी लोगों का साथ देता है,ऐसे लोगों का साथ न दीजिए, उनसे मित्रता न कीजिए जो हमेशा अपनी उपलब्ध सुविधा के नाम पर रोना रहता रोते हैं, और अपनी परिस्थितियों से लगातार शिकायत करते हैं, ऐसे लोग सदैव खोजते रहते हैं कि मैं किसी बड़े धनवान व्यक्ति के घर में क्यों पैदा नहीं हुआ, जहां अपार सुख सुविधाएं उपलब्ध है और मैं भी सुख पूर्वक जीवन व्यतीत करता, पर वह यह नहीं जानता कि बड़े व्यक्ति के बड़े होने के पीछे कितनी मेहनत साहस और ऊर्जा अंतर्निहित है। हमारे शास्त्रों में भी लिखा गया है की लक्ष्मी निष्क्रिय और निठल्ले लोगों का साथ नहीं देती, एवं निष्क्रिय लोगों के पास नहीं जाती है।

अब्राहम लिंकन ने भी कहा कि डर कमजोर दिमाग के निशानी है।, मनुष्य को डर अपने दिमाग से निकाल देना चाहिए, डर के परिणाम स्वरुप ही शंका पैदा होती है, और शंका व्यक्ति के मन में कमजोरी लाती है। डरा हुआ व्यक्ति हमेशा नकारात्मक विचारों वाला होता है और यही नकारात्मक विचार असफलता को जन्म देते हैं, गीता का भी ज्ञान है कि कर्म किए जा फल की इच्छा मत रख ए इंसान, आप स्वयं एक दिन कह उठेंगे भाग्य साहसी व्यक्ति का साथ देता है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

उद्घाटन

नई दिल्ली में स्वच्छता पखवाड़ा 2024 के उद्घाटन पर केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी और पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस और पर्यटन राज्य मंत्री, सुरेश गोपी।

विपक्ष ने संविधान बदलने को चुनावी मुद्दा बनाया, पर इसमें कोई सच्चाई नहीं थी : प्रफुल्ल पटेल

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रफुल्ल पटेल ने सोमवार को कहा कि विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के सदस्यों ने लोकसभा चुनाव में संविधान बदलने और आरक्षण छीन लेने जैसी 'छोटी बातों' को मुद्दा बनाया, जिनमें कि कोई सच्चाई नहीं थी। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए पटेल ने यह भी कहा कि विपक्ष के दावों को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के लोग प्रभावी तरीके से काट निकालने में विफल रहे। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान, दुनिभा के विभिन्न देशों के संविधान में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है और भारतीय संविधान की वजह से ही लोकतंत्र को जीवित रखने में देश को सफलता मिली है।

पटेल ने कहा कि इस लोकसभा के चुनाव में भारत के संविधान पर प्रहार हो रहा है, भारत का संविधान खतरे में है जैसी बातें बार-बार सुनने को मिली। उन्होंने कहा, ''यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। हम सभी लोग आज संविधान के तहत ही इस सदन में बैठ हैं या उस सदन में निर्वाचित हुए हैं। लेकिन फिर भी संविधान के बारे में काफी कुछ इधर-उधर की बातें की गईं।'' उन्होंने कहा कि बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की ओर से दिए गए संविधान की बदौलत ही 1950 में देश में महिलाओं को मतदान का अधिकार मिल गया था जबकि अमेरिका जैसे सबसे पुराने लोकतांत्रिक देश में काले लोगों और महिलाओं को यह अधिकार प्राप्त नहीं था। उन्होंने कहा कि उन्हें वोट का अधिकार 1960 के दशक में मिला।पटेल ने कहा, ''आज हम 75 सालों में देश में जो भी देख रहे हैं वह संविधान के तहत ही हुआ है। इसलिए इतना अफसोस होता था कि पूरे चुनाव में संविधान खतरे में है... 400 पार होगा तो संविधान बदला जाएगा... किसी का आरक्षण चला जाएगा... किसी के अधिकार छीने जाएंगे... यह किस तरह की छोटी बातों को लेकर इस राष्ट्र का चुनाव हम लोग लड़ रहे थे।'' शिव सेना की प्रियंका चतुर्वेदी ने इसे 'छोटी बात' कहने पर आपत्ति जताई, हालांकि पटेल अपनी बात पर कायम रहे। उन्होंने कहा, ''हां, छोटी बात थी क्योंकि उसमें सच्चाई नहीं थी।

इसलिए छोटी बात थी।'' उन्होंने कहा कि संविधान को कोई हाथ भी नहीं लगा सकता है और ना ही उसे कभी बदला जा सकता है। उन्होंने कहा, ''जिस लोकसभा में 100 से ज्यादा सांसद अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति से निर्वाचित होकर आते हैं, अगर हम उनका अधिकार छीनने की बात करेंगे तो क्या वह समर्थन करेंगे।''

500 करोड़ के क्लब में शामिल हुई 'कल्कि 2898 एडी'

मुंबई/एजेन्सी

बहुप्रतीक्षित फिल्म कल्कि 2898 एडी ने चार दिनों में वर्ल्डवाइड 555 करोड़ की कमाई कर ली है। नाग अश्विन द्वारा निर्देशित, कल्कि 2898 एडी में अमिताभ बच्चन, कमल हसन, प्रभास, दीपिका पादुकोण और दिशा पाटनी सहित कई शानदार कलाकार हैं। वैजयंती मूवीज द्वारा निर्मित फिल्म कल्कि 2898 एडी 27 जून दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज हुयी है।'कल्कि 2898 एडी' ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया है। इस फिल्म को लेकर फैंस में जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है। कल्कि 2898 एडी' का डंका देश के साथ विदेश में भी बज रहा है। फिल्म को दुनिया के हर कोने से प्यार मिल रहा है। यह फिल्म ताबड़तोड़ कमाई के साथ हर दिन नए रिकॉर्ड बना रही है। बॉक्स ऑफिस पर छप्परफाड़ कमाई करते हुए कल्कि 2898 एडी 500 करोड़ के क्लब में शामिल हो गई है। वैजयंती मूवीज ने सोशल मीडिया पर फिल्म कल्कि 2898 एडी के वर्ल्डवाइड कलेक्शन की ताजा जानकारी दी गई है, जिसके मुताबिक इस फिल्म ने अब तक 555 करोड़ का ग्रॉस कारोबार कर लिया है।

भोजशाला मसले में नया मोड़

विवादित परिसर में जैन समुदाय के लिए उपासना का अधिकार मांगा गया

इंदौर/भाषा। जैन समुदाय के एक व्यक्ति ने मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय में रिट याचिका दायर करके धार के भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद परिसर में अपने समुदाय के लोगों के लिए उपासना का अधिकार मांगा है।

याचिका में दावा किया गया है कि इस विवादित परिसर में कभी जैन गुरुकुल और जैन मंदिर हुआ करता था जहां देवी अम्बिका की मूर्ति स्थापित थी।

दिल्ली के सामाजिक कार्यकर्ता सलेकचंद जैन की ओर से दायर इस रिट याचिका पर उच्च न्यायालय में इस हफ्ते सुनवाई हो सकती है। जैन के अधिवक्ता मनोहर सिंह चौहान ने सोमवार को यह जानकारी दी।

यह याचिका ऐसे वक्त में दायर की गई है, जब भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश पर भोजशाला परिसर के सर्वेक्षण की रिपोर्ट अदालत में पेश करने की तैयारी में जुटा है।

जैन की याचिका में दावा किया गया है कि भोजशाला परिसर में कभी जैन गुरुकुल और जैन मंदिर हुआ करता था जहां जैन मुनियों और विद्वानों द्वारा विद्यार्थियों को शिक्षा दी जाती थी और इस परिसर में संस्कृत, प्राकृत और अन्य भाषाओं में ग्रंथों के अनुवाद का काम भी होता था, लिहाजा जैन समुदाय के लोगों को इस स्थान पर उपासना का अधिकार प्रदान किया जाना चाहिए।

याचिका में यह दावा भी किया गया है कि भोजशाला परिसर की जिस मूर्ति को हिंदू समुदाय वाग्देवी (देवी सरस्वती) की प्रतिमा बता रहा है, वह असल में जैन समुदाय की देवी अम्बिका (जैन यक्षिणी) की मूर्ति है जिसे धार के राजा भोज ने इस परिसर में 1034 ईस्वी में स्थापित किया था।

याचिका में गुहार लगाई गई है कि लंदन के एक संग्रहालय में रखी इस मूर्ति को भारत वापस लाकर भोजशाला परिसर में फिर से स्थापित किया जाना चाहिए।

याचिका में कहा गया है कि भोजशाला परिसर और इसमें मिली मूर्तियों, शिलालेखों, कलाकृतियों आदि की वास्तविक उम्र पता लगाने के लिए केंद्र सरकार को ''रेडियोकार्बन डेटिंग'' पद्धति के इस्तेमाल के निर्देश दिए जाने चाहिए।

भोजशाला को हिंदू समुदाय वाग्देवी (देवी सरस्वती) का मंदिर मानता है, जबकि मुस्लिम पक्ष 11वीं सदी के इस स्मारक को कमाल मौला मस्जिद बताता है। यह परिसर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा संरक्षित है।

'हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस' नामक संगठन की अर्जी पर मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने 11 मार्च को एएसआई को भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद परिसर का वैज्ञानिक सर्वेक्षण करने का आदेश दिया था। इसके बाद एएसआई ने 22 मार्च से इस विवादित परिसर का सर्वेक्षण शुरू किया था जो हाल ही में खत्म हुआ है।

उच्च न्यायालय के आदेश के मुताबिक एएसआई को विवादित परिसर के सर्वेक्षण की संपूर्ण रिपोर्ट दो जुलाई तक पेश करनी है।

फिल्म 'हिसाब' की शूटिंग शुरू

मुंबई/एजेन्सी

विपुल अमृतलाल शाह द्वारा निर्देशित 'हिसाब' को लेकर फैंस काफी एक्साइटिड हैं। दर्शक इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसके बारे में फिल्म मेकर्स ने बड़ा अपडेट शेयर किया है। मेकर्स ने सनशाइन पिक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड के ऑफिशियल हैंडल से इंस्टाग्राम पर शूटिंग शुरू होने की घोषणा की।

प्रोडक्शन कंपनी ने सेट पर एक छोटे से मंदिर के बगल में रखे फिल्म के क्लैपबोर्ड की एक तस्वीर शेयर की और कैप्शन में लिखा, ''आज, हम अपनी भावनाओं को जीवंत करने और पैशन को स्क्रीन पर उतारने का काम शुरू कर रहे हैं; 'हिसाब' की शुरुआत, जिसे सनशाइन पिक्चर्स के सहयोग से जियो स्टूडियो द्वारा प्रस्तुत किया जा रहा है!'' पोस्ट में सृष्टि श्रीवास्तव, रोहिताश्व गौर और गोपाल दत्त को टैग किया गया। फिल्म और कहानी के बारे में अन्य जानकारियां अब भी राज रखी गई हैं।

फिल्म में शेफाली शाह, जयदीप अहलावत और अभिषेक बनर्जी लीड रोल में नजर आएंगे। एक्ट्रेस शेफाली शाह के पति विपुल अमृतलाल शाह ने शोबिज की चकाचौंध भरी दुनिया में अपना सफर 'एक महल हो सपनों का' टीवी सीरियल से शुरू किया था। इस शो ने 1,000 से ज्यादा एपिसोड पूरे किए थे। उन्होंने गुजराती फिल्म 'दरिया छोरू' के निर्देशन से फिल्मी दुनिया में कदम रखा। इसके बाद 2002 में 'आंखें' से हिंदी फिल्मों में डेब्यू किया।

निर्देशक ने 'वक्त: द रेस अगेंस्ट टाइम', 'नमस्ते लंदन', 'सिंह इज किंग' और 'लंदन ड्रीम्स' जैसी फिल्में बनाईं। शेफाली ने हिंदी सिनेमा में अपना सफर 1995 में रिलीज हुई 'रंगीला' में एक छोटी सी भूमिका से शुरू किया था। इसके बाद वह 'सत्या', 'मोहब्बतें', 'वक्त: द रेस अगेंस्ट टाइम', 'गांधी, माई फादर', 'कमांडो 2: द ब्लैक मनी ट्रेल', 'जलसा', 'डार्लिंग्स' और 'थ्री ऑफ अस' जैसी फिल्मों का हिस्सा रहीं। जयदीप की बात करें तो वह हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'महाराज' में नजर आएं। इस फिल्म में सुपरस्टार आमिर खान के बेटे जुनैद ने डेब्यू किया था।

बवाल और विवादों के बीच फिल्म 'महाराज' को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया गया था। यह फिल्म सौरभ शाह की किताब 'महाराज' पर आधारित है जो 1862 के महाराज मानहानि केस पर बनी है। फिल्म में जुनैद ने करसनदास मुलजी का रोल किया है, जो पेशे से एक पत्रकार है। वहीं जयदीप अहलावत ने विलेन जदुनाथ महाराज का रोल निभाया है। जुनैद और जयदीप के अलावा शरवरी वाघ भी फिल्म में हैं।

पौधारोपण

नई दिल्ली में नेशनल मीडिया सेंटर में पौधारोपण करते हुए जितेंद्र सिंह।

राहुल ने कहा, लोस अध्यक्ष प्रधानमंत्री के सामने झुके : बिरला ने कहा, बड़ों को सम्मान देना संस्कार

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आज दावा किया कि अध्यक्ष ओम बिरला जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिले तो झुककर अभिवादन किया, लेकिन उनसे सीधे खड़े होकर हाथ मिलाया, इस पर लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि वह संस्कारों और संस्कृति का पालन करते हैं।

राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर सदन में हो रही चर्चा में भाग लेते हुए राहुल गांधी ने लोकसभा अध्यक्ष के निर्वाचन के दिन का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, ''इस आसन पर दो लोग बैठे हैं। लोकसभा के अध्यक्ष और श्रीमान ओम बिरला।'' राहुल ने कहा, ''मैंने एक चीज महसूस की। जब मैंने आपसे हाथ मिलाया तो आप सीधे खड़े रहे और मुझसे हाथ मिलाया। जब मोदीजी ने आपसे हाथ मिलाया तो आपने झुककर उनसे हाथ मिलाया।''

इस पर सत्तापक्ष के सदस्यों ने विरोध जताते हुए कहा कि यह आसन का अपमान है। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि यह आसन पर आरोप है।

बिरला ने कहा, ''प्रधानमंत्री सदन के नेता हैं। सार्वजनिक जीवन में और व्यक्तिगत जीवन में हमारे संस्कार हैं कि अपने से किसी बड़े से मिलें तो झुककर सम्मान करें, वहीं अपने समान लोगों या उम्र में छोटे लोगों से बराबर से मिलें। मैं इस संस्कृति और संस्कारों का पालन करता हूं।'' उन्होंने कहा, ''यह बात मैं आसन से कह सकता हूं। मेरी संस्कृति है कि बड़ों का झुककर सम्मान करें और जरूरत पड़े तो पैर भी छूएं।'' राहुल गांधी ने अध्यक्ष बिरला से कहा कि वह उनकी बात का सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा, ''लेकिन इस सदन में आपसे बड़ा कोई नहीं है।

अमेरिकी सांसदों ने हिंदुओं को भेदभाव और 'हिंदूफोबिया' के खिलाफ आश्वस्त किया

वाशिंगटन/भाषा। प्रमुख अमेरिकी सांसदों ने अमेरिका में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ बढ़ते 'हिंदूफोबिया' और भेदभाव के खिलाफ लड़ने के लिए भारतीय अमेरिकियों को अपना समर्थन देने का वादा किया है।

हिंदूफोबिया से आशय हिंदू धर्म और हिंदुओं के प्रति विरोधी और अपमानजनक दृष्टिकोण और व्यवहार करने से है।

उत्तरी अमेरिका के हिंदुओं के गठबंधन (सीओएचएनए) द्वारा आयोजित तीसरे राष्ट्रीय हिंदू समर्थन दिवस में 28 जून को कई हिंदू छात्रों, शोधार्थियों और सामुदायिक नेताओं ने भाग लिया तथा अमेरिका में रहने वाले हिंदुओं की चिंताओं पर चर्चा की।

कांग्रेस सदस्य श्री थानेदार ने वाशिंगटन में एक दिवसीय समर्थन दिवस में अपने संबोधन में कहा, हम यहां हैं और हम लड़ रहे हैं।

थानेदार ने कहा, आप सभी के पास जो आवाज है, वही आवाज कांग्रेस में हिंदू समुदाय के पास है।

डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्य थानेदार ने सदन में 'हिंदूफोबिया' और मंदिरों पर हमलों की निंदा वाला प्रस्ताव पेश किया है। इसमें हिंदू अमेरिकी समुदाय के योगदान की सराहना की गई है। उन्होंने कहा कि वे हिंदूफोबिया, भेदभाव या नफरत के अन्य रूपों को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

कांग्रेस सदस्य रिच मैककॉर्मिक ने नीति निर्माण में हिंदू अमेरिकी और भारतीय अमेरिकी समुदाय की निरंतर बढ़ती भागीदारी और अमेरिका के भविष्य को बदलने की इसकी क्षमता का स्वागत किया।

रिपब्लिकन पार्टी के सांसद ने हिंदू अमेरिकियों के योगदान का सम्मान करते हुए सदन के प्रस्ताव 1131 के प्रति अपने समर्थन की ओर ध्यान आकर्षित किया।

रिपब्लिकन पार्टी के कांग्रेस सदस्य ग्लेन ग्रोथमैन ने समुदाय के साथ एकजुटता व्यक्त की। कांग्रेस सदस्य रो खन्ना ने पिछले दशक में समुदाय का समर्थन बढ़ने का जिक्र किया।

फिल्म 'जट' से साउथ फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करेंगे सन्नी देओल

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के माचो हीरो सन्नी देओल फिल्म 'जट' से साउथ फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रहे हैं। सन्नी देओल, साउथ के निर्देशक गोपीचंद मलिनेनी के साथ एक एक्शन फिल्म में काम कर रहे हैं। इस फिल्म का नाम 'जट' होगा। पहले इसे 'एसजीडीएम' कहा जा रहा था, इसका मतलब सन्नी देओल गोपीचंद मलिनेनी है।इस फिल्म को माइथ्री मूवी मेकर्स प्रोड्यूस कर रहे हैं, जो अल्लू अर्जुन स्टारर फिल्म 'पुष्पा 2'के भी मेकर्स हैं। फिल्म जट को तीन महीने के अंदर रैप किया जाएगा। सन्नी फिल्म जट में मास एक्शन हीरो के अवतार में दिखेंगे। सन्नी देओल के अलावा जट में सैयामी खेर और रेजिना कैसेंड्रा भी नजर आएंगी।

चंकी पांडे ने स्ट्रगल के दिनों को किया याद, कहा- प्रोड्यूसर के दफ्तर के बाहर घंटों इंतजार करता था

मुंबई/एजेन्सी

एक्टर चंकी पांडे ने फिल्म इंडस्ट्री में कई सुपरहिट दी हैं। एक्टर ने अपने स्ट्रगल के दिनों का याद करते हुए बताया कि कैसे उन्हें प्रोड्यूसर्स के ऑफिस के सामने लंबी लाइन में खड़े होकर इंतजार करना पड़ता था। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि उस समय वह पार्ट-टाइम कार डीलर थे। हाल ही में रिलीज हुई ड्रामा सीरीज 'इंडस्ट्री' में चंकी पांडे को राकेश रमन का किरदार निभाते देखा गया। फैंस सीरीज में उनके परफॉर्मेंस की जमकर तारीफ कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मेरे स्ट्रगल के दिन बहुत अलग थे, तब कोई कास्टिंग डायरेक्टर या डिजिटल मीडिया नहीं था, इसलिए हमें प्रोड्यूसर्स के ऑफिस के सामने लंबी लाइनों में इंतजार करना पड़ता था। उनसे मिलना और उन्हें फोटो एल्बम दिखाना, हमें उनके सामने डांस भी करना पड़ता था और पॉपुलर फिल्मों के सीन भी करने पड़ते थे।''

यह आसान नहीं था, लेकिन यह मजेदार था। खैर, वे मेरे स्ट्रगल के दिन थे। मैं पार्ट-टाइम कार डीलर था, इसलिए मुझे उन कारों को चलाने का मौका मिलता था। हर दिन, मैं एक अलग कार में प्रोड्यूसर्स के ऑफिस जाता था।'' चंकी ने 'इंडस्ट्री' में अपने को-एक्टर्स के साथ काम करने के अपने एक्सपीरियंस को शेयर किया और कहा, इस नई जनरेशन के एक्टर्स के साथ काम करना बहुत अच्छा लगा। उनके साथ काम करने से मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली। इस एक्सपीरियंस से मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला। मैं 'इंडस्ट्री' के अगले सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।''

द वायरल फीवर (टीवीएफ) द्वारा निर्मित सीरीज 'इंडस्ट्री' आयुष वर्मा (गगन अरोड़ा) के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है, जो स्क्रीनराइटर हैं। वह फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने की कोशिश करता है। इसमें गुनीत मोंगा, अंकिता गोराया, कुणाल कपूर, अभिषेक बनर्जी, अमित मसुरकर, सुपर्ण वर्मा, सुनीत रॉय, सुमित अरोड़ा और प्रोसित रॉय भी लीड रोल में हैं। 'इंडस्ट्री' अमेजन मिनी टीवी पर स्ट्रीम हो रही है। वर्क फ्रंट की बात करें तो चंकी को पिछली बार 2022 की स्पोर्ट्स एक्शन फिल्म 'लाइगर- साला क्रॉसब्रीड' में देखा गया था। इसमें विजय देवरकोंडा और उनकी बेटी अनन्या पांडे लीड रोल में थे।

बता दें कि चंकी पांडे का असली नाम सुरेश पांडे था। उनकी नैनी उन्हें प्यार से 'चंकी' कहकर बुलाया करती थी, धीरे-धीरे घर में सभी उन्हें 'चंकी' कहने लगे, इस तरह उनका नाम चंकी पांडे पड़ गया। उन्होंने 1987 में फिल्म 'आग ही आग' से बॉलीवुड डेब्यू किया था। इसके बाद वह 'पाप की दुनिया', 'खतरों के खिलाड़ी', 'जहरीले', 'आंखें' जैसी फिल्मों का हिस्सा रहे। 1988 की उनकी फिल्म 'तेजाब' सुपरहिट साबित हुई। इसमें उनके साथ अनिल कपूर भी थे। इस फिल्म के लिए उन्हें बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का फिल्मफेयर अवार्ड मिला।

अनिल कपूर के साथ हिट फिल्म देने के बाद उन्होंने गोविंदा के साथ फिल्म 'आंखें' की। यह फिल्म में सुपरहिट रही। गोविंदा और चंकी की जोड़ी को लोगों ने काफी पसंद किया। चंकी ने बॉलीवुड के अलावा, बांग्लादेश की फिल्मों में भी काम किया है। 1995 में उन्होंने पहली बार बांग्लादेशी फिल्म में लीड रोल किया और स्टारडम हासिल किया। बांग्लादेशी सिनेमा में उन्होंने कई हिट फिल्में दी, जिनमें 'स्वामी केनो असामी', 'बेश कोरेची प्रेम कोरेची', 'मेयेरा ए मानुष' समेत कई फिल्में शामिल हैं। इसके बाद, उन्होंने बॉलीवुड में कमबैक किया और 2003 में 'कयामत' में निगेटिव रोल कर फिर से पर्दे पर राज किया। उन्होंने 'पेइंग गेस्ट', 'हाउसफुल' सीरीज की चारों फिल्में, 'बुलेट राजा' और 'बेगम जान' में काम किया।

फ़िल्म 'अमर ज्योति' में मुख्य भूमिका निभाती नजर आएंगी भूमिका कलिता

मुंबई/एजेन्सी

असम मूल की अभिनेत्री भूमिका कलिता फ़िल्म अमर ज्योति में मुख्य भूमिका निभाती नजर आयेंगी। भारत के पूर्वोत्तर हिस्से असम से निकलकर मुम्बई पहुंची असम मूल की युवा अभिनेत्री भूमिका कलिता फिल्म अमर ज्योति में मुख्य भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं । यह फ़िल्म आगामी 15 अगस्त 2024 से शूटिंग के लिए फ्लोर पर जाने वाली है । इसके बाद इस फ़िल्म को एकसाथ वर्ल्डवाइड वेबकास्ट होने की उम्मीद है। अमर ज्योति को भारत के साथ साथ विदेशों में भी एकसाथ रिलीज करने की तैयारी की जा रही है जिससे यह फ़िल्म हॉलीवुड और बॉलीवुड में एक साथ बड़े पैमाने पर प्रदर्शित हो सके। भारत मे रिलीज होने वाली फिल्म अमर ज्योति के निर्माता डॉन सिनेमा ओटीटी के संस्थापक महमूद अली हैं । फ़िल्म अमर ज्योति में भूमिका कलिता के साथ रवि किशन , बहरुल इस्लाम सहित अन्य बड़े कलाकार भी मुख्य भूमिका निभा रहे हैं।इस फ़िल्म का निर्देशन महमूद अली करने वाले हैं। फ़िल्म की शूटिंग आगामी अगस्त -सितम्बर में असम और कश्मीर में की जाएगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | मंगलवार | 02-07-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जीवन अनिश्चितताओं से भरा लंबा यात्रा-पथ है। यहां किसी के जीवन में कुछ भी घटित हो सकता है। हमारे मन का सोचा हुआ सब सार्थक होगा, यह मानकर चलना बहुत बड़ी भूल है। इसीलिए अच्छे अवसरों का लाभ उठाने का भरपूर प्रयत्न करना चाहिये। जीवन की सफलता का यही मूलमंत्र है। अक्सर देखा जाता है कि लक्ष्मीदेवी तिलक करने द्वार पर आयी और मनुष्य मुंह धोने के लिए चला गया। जब वह वापस लौटा, तब तक लक्ष्मी विदा हो चुकी थी। नीति और धर्मशास्त्रों ने इसे निपट मूर्खता कहा है।

अभिभावक-शिक्षक मीट में स्कूल की नई मूलभूत सुविधाओं की दी जानकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय एजी जैन हायर सेकेंडरी स्कूल में अभिभावक-शिक्षक मीट का आयोजन विद्यालय की मूलभूत सुविधाओं और शैक्षिक वातावरण से अभिभावकों को परिचित कराने के उद्देश्य से किया गया। बैठक में स्कूल में शुरु किए गए कराटे, सिलाम्बम, ध्यान कक्षाएं, एबैकस, वैदिक गणित कक्षाएं, विद्यालय की नीति और नियमों का निर्धारण एवं क्रियान्यवन सक्षम रूप से होना और अभिभावकों का सहयोग अपेक्षा अनुरूप एवं उसका निस्तारण करना आदि विषयों पर विस्तार से परिचर्चा हुई। इस अवसर पर विद्यालय के पत्राचारक गौतमचंद गोठी, सचिव दलजीतसिंह ढढा, प्रबंध तंत्र के सदस्य प्रसन्नचंद चोरडिया आदि उपस्थित थे। विद्यालय की कार्यवाहक प्राचार्या डॉ जयश्री ने अभिभावकों से उनकी जिम्मेदारी एवं सहयोग का अनुपालन करने का आग्रह किया। कार्यक्रम का संचालन एन भास्करन ने ने किया।

त्याग की प्रवृत्ति से पुण्य का सही लाभ मिलता है : युवाचार्य महेन्द्रऋषि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्रऋषिजी म.सा. ने रायपेटा स्थानकवासी जैन संघ में प्रवचन देते हुए कहा कि जो व्यक्ति इस संताप को जानता है कि मैं अनेक जन्मों से, अनेक तकलीफों से गुजर चुका हूं, उसके लिए प्रत्याख्यान एक महत्वपूर्ण माध्यम है जिससे उस प्यास, उस संताप को बुझाया जा सकता है। ज्ञानी कहते हैं प्यास बुझाने का सबसे सुंदर तरीका है संकल्प। यह संसार के सुखों का स्वरूप है कि जितनी इच्छाओं को दूर करने की कोशिश करते हैं, उतनी ही वह फैलती जाती है। प्रत्याख्यान का सामर्थ्य ही इसे दूर कर सकता है। उस सामर्थ्य का उपयोग करना है।

युवाचार्यश्री ने कहा, जिसकी त्याग करने की प्रवृत्ति बन जाए तो समझना, पुण्य का सही लाभ लिया है। प्रत्याख्यान हमारे पुण्य की राशि को सुरक्षित रखता है। पुण्य है तो सब कुछ है। प्रत्याख्यान हमें हमारी मर्यादा में लाता है। यह रक्षा कवच है, नहीं तो कोई भी चीज आप पर

आक्रमण कर सकती है। उन्होंने कहा हम भाग्यशाली हैं जो हमें जिनशासन मिला है, जहां हमें प्रत्याख्यान जैसे सुरक्षा कवच मिले हैं। हमारी साधना में प्रत्याख्यान का बड़ा महत्व है। प्रत्याख्यान के बिना हमारा आवश्यक अपूर्ण है। आप सुनिश्चित करें कि हम प्रत्याख्यान के द्वारा तृप्त जीवन जी सकें। उन्होंने कहा कि जैन दर्शन पूर्णतः कर्मवादी दर्शन है। इसमें कर्म को बहुत महत्व दिया गया है। परमात्मा कर्म का स्वरूप बताते हुए कहते हैं जो कर्मों का आश्रव, बंध करते हैं, वे उस समय तो विशेष आवेश में होते हैं। वे ऐसे कार्य कर जाते हैं, जिसका परिणाम उनको भोगना ही पड़ता है। ज्ञानी कहते हैं तू ही करने वाला, तू ही भोगने वाला। प्रत्येक व्यक्ति को अपने कर्मों का फल भोगना ही पड़ता है। जैन दर्शन कहता है प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में आबादी व बर्बादी है, वह कर्म की प्रसादी है। गांठ बांध लीजिए, जो साधना, आराधना आपको करनी है, उसका उद्देश्य, उसका लक्ष्य कर्मनिर्जरा हो। उन्होंने कहा, जैसे जैसे कर्मनिर्जरा होती जाएगी, मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता जाएगा। कर्मनिर्जरा हंसते-हंसते करते रहना चाहिए। जितनी ज्यादा कर्मनिर्जरा होगी, उतनी ही पुण्य राशि बढ़ती जाएगी। आप सब ज्यादा से ज्यादा आत्मा के ऊपर लगे आवरण हटाने की कोशिश करें और आत्मा को निर्मल बनाएं।

राजस्थान स्पोर्ट्स क्लुब बना सेंचुरी स्वर्ण जयंती क्रिकेट कप प्रतियोगिता विजेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां एमजे जैन कॉलेज मैदान में खेले गए सेंचुरी स्वर्ण जयंती क्रिकेट कप का फाइनल रविवार को राजस्थान स्पोर्ट्स क्लब एवं माफिया वारियर्स के बीच खेला गया। राजस्थान स्पोर्ट्स क्लब ने माफिया वारियर्स को शिकस्त देकर कप पर कब्जा कर लिया। ललित भंडारी को मैन ऑफ़ दि मैच का पुरस्कार दिया गया। मैच के बाद पुरस्कार समारोह का संचालन विनोद राठी ने किया। लालचंद मेहता ने सभी का स्वागत किया एवं अशोक मुनोथ ने क्लब का इतिहास बताया।

इस समारोह के मुख्य अतिथि प्रवीणजी टाटिया ने विजेता को ट्रॉफी व नगद राशि भेंट की। राजू राठी और अरुण डागा ने रनर ट्रॉफी एवं नक़द राशि प्रदान की। प्रोरॉकर्स के संजय मेहरा को बेस्ट बैट्समैन, राजस्थान के नरेंद्र जैन को बेस्ट बॉलर एवं महेश्वरी के लक्ष्य झंवर को प्रतियोगिता के बेस्ट ऑल राउंडर घोषित किया गए। कमल वजावत ने धन्यवाद दिया।

विद्यालय में नवनिर्मित भवन का किया गया उद्घाटन

विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराने की हुई घोषणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। स्थानीय वर्धमान जैन सेवा संघ के संस्थापक राजेशकुमार गादिया व समाजसेवी राजू छाजेड ने उपनगर ओराडुकुप्पै के श्रीराम नगर के राजकीय प्राथमिक विद्यालय में नवनिर्मित भवन का उद्घाटन किया। विद्यालय की अध्यापिका रानी ने कहा कि सेवा संघ पूर्व के भांति ही आगे भी विद्यालय के लिए सहयोग करता रहे। संस्थापक गादिया ने कहा की गत कई सालों से इस स्कूल के लिए कार्य कर रहे है आगे भी हमारा सहयोग यथावत जारी रहेगा। संघ नए भवन के लिए संपूर्ण जरूरती सामग्री जैसे बेंच, टेबल कुर्सियां, पठन पाठन सामग्री सेवा संघ जल्द ही उपलब्ध करवाएगा। समारोह के दौरान गत शैक्षणिक सत्र में अव्वल रहे छात्र छात्राओं का सम्मान भी किया गया। अध्यापिका मेघलै ने धन्यवाद दिया।

गोड़वाड़ सेवा मंडल की वल्लभ क्षेत्र पंजाब यात्रा के लिए आवेदन शुरु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। स्थानीय गोड़वाड़ जैन संघ के तत्वावधान में सेवा मंडल द्वारा नगरवासियों के लिए 24 दिसम्बर से 12 दिवसीय वल्लभ क्षेत्र पंजाब तीर्थ यात्रा संघ का आयोजन किया जा रहा है। रविवार को संघ के अध्यक्ष गौतम सियाल ने प्रथम आवेदन प्रदान कर यात्रिकों के लिए प्रक्रिया को प्रारंभ किया। गोडवाड जैन सेवा मंडल के कप्तान संजय छाजेड, उपकप्तान हितेश बंबोली व कोषाध्यक्ष संदीप पुनमिया की अगुवाई में कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा यात्रा की तैयारियां की जा रही है।

संघ के पूर्व अध्यक्ष जयंतीलाल बाफना ने संघ को आयोजन के लिए शुभकामनाएं दी।

सेवा मंडल के कप्तान संजय छाजेड ने कहा कि यह यात्रा कोयंबटूर से शुरू होकर दिल्ली, हस्तिनापुर, चंडीगढ़, लुधियाना, झीरा, कांगड़ा, अमृतसर, वैष्णोदेवी, पटनीटॉप होकर पुन: दिल्ली से कोयंबटूर तक रेल व हवाई मार्ग से होगी।

कोस्टल रोटरी क्लब के सदस्यों ने की गौसेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। रोटरी क्लब ऑफ चेन्नई कोस्टल के सदस्यों ने जीवदया परियोजना के तहत मद्रास पिंजरापोल की 500 गायों को घास, अनाज व फल खिलाए।

क्लब के अध्यक्ष राजेश खन्ना ने कहा कि हमारे सदस्यों के उत्साह और समर्पण ने इस पहल को एक शानदार सफलता प्राप्त हुई हैं, आशा करते है कि इस तरह के आयोजन भविष्य में भी करते रहेंगे। उन्होंने विभिन्न सेवा परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी।

तेयुप विजयनगर की नई कार्यकारिणी समिति ने ली शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर के नवमनोनीत अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा एवं उनकी टीम ने अर्हम भवन में साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी के सान्निध्य में जैन संस्कार विधि द्वारा शपथ ग्रहण की। संस्कारक छत्रसिंह मालू, भंवरलाल मांडोत,अभिषेक कावडिया, विकास बाँठिया, धीरज भादानी ने विधि सम्पन्न कराई। अभातेयुप प्रबुद्ध विचारक दिनेश पोखरणा ने श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन किया। परिषद निवर्तमान अध्यक्ष राकेश पोखरणा ने सभी का स्वागत किया तथा नए अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा को अध्यक्ष पद की शपथ दिलायी। तत्पश्चात कमलेश चोपड़ा ने अपने प्रबंध मंडल परामर्शक एवं कार्यसमिति की घोषणा की एवं सभी को शपथ दिलायी। तेरापंथ युवक परिषद प्रबंध मंडल में विकास बाँठिया व अशोक मारू को उपाध्यक्ष, संजय भटेवरा को मंत्री, पवन बैद व कमलेश दक को सहमंत्री, अमित नाहटा को कोषाध्यक्ष एवं पंकज कोचर को संगठन मंत्री मनोनीत किया।

साध्वीश्री ने नव मनोनीत टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नई टीम को विनय के साथ साथ ले कर चलना है। हमें पूरी युवा शक्ति को परिषद में जोड़कर नये नये कार्यों को सम्पादित करना है। अभातेयुप के पूर्व अध्यक्ष विमल कटारिया ने नई टीम को शुभकामनाएं दी। अभातेयुप परामर्शक दिनेश पोखरणा, तेरापंथ सभा विजयनगर अध्यक्ष मंगल कोचर, महिला मंडल अध्यक्षा मंजू गादिया सहित अनेक सदस्यों ने शुभकामनाएं दी। संचालन तेयुप पूर्व अध्यक्ष अमित दक ने किया। तेयुप मंत्री संजय भटेवरा ने धन्यवाद दिया।

दीक्षार्थी सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के साहुकारपेट स्थित कुमकुम वत्सला रेजिडेंसी में हीराचंद कांकरिया के निवास स्थान पर अनेक श्रावक श्राविकाओं द्वारा मुमुक्षु नमन गादिया एवं क्रिया गादिया का सम्मान किया गया। इस मौके पर वीर पिता व माता जितेन्द्रकुमार पायलदेवी का भी सम्मान किया गया। ज्ञातव्य है कि दीक्षा आगामी वर्ष में 2 मार्च को आचार्यश्री तीर्थभद्रसूरीश्वरजी की निश्रा में मुम्बई में होगी।

जो समय को बर्बाद करता है, समय उसे कर देता है बर्बाद : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सोमवार को नजरबाद स्थित आदीश्वर वाटिका के प्रांगण में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि बीता समय कभी लौटकर नहीं आता। जो समय को बर्बाद करता है, समय उसे बर्बाद कर देता है। व्यावहारिक और आध्यात्मिक, दोनों क्षेत्रों में समय का सदुपयोग ही जीवन की सफलता का मूलमंत्र है। मनुष्य का जीवन इतना छोटा है कि यहां हर पल का मूल्यांकन किया जाना चाहिये। आधुनिक युग आलस्य और बीमारियों का युग है। यहां सोने के वक्त मनुष्य जाग रहा है और जागरण के समय सोया रहता है। उसकी आवश्यकताएं और अपेक्षाएं अत्यधिक बढ़ गयी हैं। वह खाने-पीने, सोने, घूमने, सजने-संवरने, ओढ़ने-पहनने, खेलने-कूदने और मनोरंजन में समय की अत्यधिक बर्बादी कर रहा है। यही उसकी परेशानियों और दुःखों का कारण है। जैनाचार्य ने कहा कि कल के भरोसे जीवन व्यतीत करना अज्ञानता है। वस्तुतः जीवन में कल कभी नहीं आता। जो समय है, वह आज ही है। अच्छे काम और अच्छे विचार आज ही कर लेने चाहिये। वरना कल के भरोसे पछताना पड़ सकता है। धर्मशास्त्रों और ज्ञानियों ने सतत जागृत रहने और समय का सही उपयोग करने का संदेश दिया है। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि घड़ी कलई की हो या दीवार की, समय की बर्बादी के दौर में किसी काम की नहीं है। कितने बजे कहां पहुंचना है और कितने बजे कौनसा काम करना है? यह बहुत महत्वपूर्ण नहीं है। घड़ी तो चलकर कल पुनः उसी स्थान पर, उसी समय पर आ जायेगी, लेकिन अपने जीवन के महत्वपूर्ण 24 घंटे हाथ से निकल चुके होंगे। इसलिए महत्व और मूल्य घड़ी का नहीं, समय का है। जो इस यथार्थ को समझने में गलती करेगा, उसे भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

आदर्श कॉलेज में आयोजित रोजगार मेले में 200 विद्यार्थियों का हुआ चयन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के सीतादेवी रतनचंद नाहर आदर्श कॉलेज के प्लेसमेंट और कैरियर गाइडेंस सेल ने हेड हेल्ड हाई फाउंडेशन के सहयोग से कालेज प्रांगण में मेगा जॉब फेयर का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित एआईएमआईटी के निदेशक डॉ. आर. वेंकटरमण, कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एस. प्रशांत प्रिंसिपल, फाउंडेशन के वरिष्ठ प्रबंधक श्रीधर पटावरी,कॉलेज के प्लेसमेंट अधिकारी किरन आदि ने किया। इस रोजगार मेले में बेंगलूरु व उसके आसपास के विभिन्न 26 कंपनियों और विभिन्न कॉलेजों के 300 से अधिक उम्मीदवारों ने भाग लिया। विभिन्न पदों के लिए 200 से अधिक उम्मीदवारों का चयन भी हुआ। आदर्श कॉलेज की सहायक प्रोफेसर देवी ने धन्यवाद दिया ।

गुरु गणेश सेवा समिति की बैठक में 75वें अन्नदान व यात्रा संघ पर हुई चर्चा

बेंगलूरु। शहर के गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटक की साधारण सभा में 75वां डायमंड जुबली मासिक अमावस्या अन्नदानम(महाप्रसादी) के आयोजन पर चर्चा हुई तथा इसे बृहद रुप में मनाने का निर्णय लिया गया तथा साध्वी श्री आगमश्रीजी व धैर्याश्रीजी की निश्रा में होगा। ज्ञातव्य है कि समिति प्रत्येक माह की हर अमावस्या पर लगभग 4500 से 5000 जरुरतमंदों को भोजन वितरित किया जाता है। बैठक में आगामी 12 सितम्बर को समिति का तीर्थ यात्रा संघ आयोजन पर भी चर्चा हुई, यह यात्रा संघ जालना, पूना, हैदराबाद और अहमदनगर में गुरु दर्शन के लिए जाएंगा। यह जानकारी समिति के अध्यक्ष किरणचंद बोहरा ने दी है।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.